

शशिमौलि ॥

जिसमें

श्रीमहादेव व पार्वती के व्याह चरित्र चित्तानन्दीय शिवभक्तिसम्मिलित अनेक प्रकार के रागों में वर्णित हैं

जिसको

बँभनीपारग्राम निवासी कायस्थवंशावतंस शिवभक्तिरत श्री लखपतिराय ने श्री शिवपार्वती चरणाब्जभ्रमर पुरुषों के आनन्दार्थ अतिविपरिश्रम व भक्त्युद्गारता से निर्मित किया

प्रथम बार

लखनऊ

मुन्शी नवलकिशोर (सी, आई, ई) के छापेख़ाने में छपी

दिसम्बर सन् १८८९ ई० ॥

भूमिका ॥

दो० बिघन हरण गणपति सदा गुणनिधान बुधिराश ॥
भक्ति नेह अरु ज्ञानको निर्मल देहु प्रकाश १

बिदितहो कि मैं शिवसेवक लखपतिराय कायस्थ श्रीबास्तम वल्द दुर्गाप्रसाद बँभनीपारगाउँ का निवासीहूँ—संयोगवश मेरेपिता अपने नानाकेघर मौजेकाकोरीमें आकररहे—फिर मेरेपिताकाब्याह कस्बा मलिहाबादमें लालाहुकूमतराय व गुलाबरायके यहांहुआ—समयपाय तीनिपुत्र पैदाहुये—बड़ेपुत्र मेरेजेठेभ्राता रघुनाथप्रसाद और उनसे छोटा मैं और मुझ से छोटे माताप्रसाद—बहुतकाल मैं-शहरलखनऊ मुहल्ली मोलवीगंज में रहा और वहीं से महाराज काशीप्रसाद रियासत सँसेड़ी का नौकर होगया—फिर मैं सँसेड़ी में रहनेलगा—अक्सर मैंने गोसाइयोंके मुखसे बहुत बार शिवव्याहसुना परन्तु कुछभासित न हुआ तब चित्तमें अनुमान व शिवचरणारबिन्दों का ध्यान कर यह शिव पार्वती ब्याह अपनीमत्यनुसार अनेकप्रकारके रागोंमें वर्णनकिया और इसपुस्तककानाम शशिमौलिरक्खा—आशा है कि जो शिवभक्ति रत पुरुष इस पुस्तक को अवलोकन करैंगे वहमेरीभूल चूकको क्षमाकर केवल अनुरागकी ओर दृष्टि देकर मुझको दोष न देंगे और आनन्दपूर्बक शिवपार्वतीचरित्र पठनपाठन कर—अन्त में कैलासवासभागी होंगे ॥

———❋———

शशिमौलि ॥



दोहा ॥

विघनहरनमंगलकरनशुभगुणसदनउदार ॥
बन्दौंगणनायकचरण जो दायकफलचार १

पदराग ॥ जैगिरिजासुतविघनबिनासन। मंगलकरन अमंगलगंजन कुबुधिबिभंजनसुबुधिप्रकासन॥ शुभगुणसदनमदनरिपुनंदन सबजगबंदनस्वबसबिलासन। विद्याछोभछकेचतुरानन साचकलखिमोहेगरुड़ासन॥ लंबोदरषटबदनसहोदर परमकृपामंदिरमुखकासन। मांगतबरशशिमौलिविनयकरि देहिंउमायुतदरशत्रषा सन १ भजुशिवसुवनभवानीनंदन। लंबोदरमृदुमंजुल मूरतिचारुचतुरभुजविघननिकंदन॥ विद्यासागरशील उजागरशुभगुणसदनसकलजगबंदन। सहजौध्यान धरतजोवाकोफिरिनपरतभवभ्रमकेफंदन॥ जाकोनाम सुमिरिमंगलमय पाईसुमतिमहामतिमंदन। ताकीकरु शशिमौलिविनयतूमिलिजैहैशिवसेवकवृंदन २ लंबोद रदुखहरनहमारे। सिद्धिसदनशतकोटिमदनद्युतिएक रदनगजबदनसँवारे॥ सुखदतेजतनचारुचतुरभुजच रणाम्बुजरुजनाशनहारे। करुणानिधिविद्याबुधिवारिद

मोदकप्रियमुदमंगलकारे॥ षटमुखबंधुविमलबरदायक सबलायककहैंवेदपुकारे । गणनायकहरदाससहायकशै लसुतात्रिपुरारिदुलारे ३॥ राग ॥ मनभजुभवानीनंदनै। मानतजिधरिध्यानउरबिचआनुविघ्ननिकंदनै ॥ नाम जाकोसुमिरिसाचकभावसनकसनंदनै । होतिजबजहँ कथासुनिरबिरोकिराखतस्यंदनै ॥ करतिशुभसंहरनसं शयहरतभवभ्रमफंदनै । बिपतिनाहिंशशिमौलिताकहँ भजतजोजगबंदनै ४॥राग॥ हैगननायकविघनबिभंज न । एकरदनगजबदनमदनद्युतिमंगलसदनअमंगल गंजन॥ विद्याब्याहउपवीतस्थापनगृहप्रवेशअरुतीरथ मंजन । येसबकाजसुफलतबहींतेहिप्रथमनमतजोतव पदकंजन ॥ शिवपथगढ़परैलखिताकहँसूझैशुभगुणमु निमनरंजन । जोशशिमौलिलगावतनैननतुवपदरज मृदुमंजुलअंजन ५ ॥ बंदनाश्रीगुरुदेवजी ॥ पदराग ॥ गुरु पदपंकजरेणुसोहाई । देनअखिलकल्यानपदारथमंगल करनहरनदुचिताई ॥ दृगनलगायेसूझतशुभगुणशीश चढ़ायेबढ़तबड़ाई । राखैरंचरुचिररसनाजोकंठबसैशा रदतेहिआई ॥ उरअस्परसकरैजोकोईविद्याबुधिउपजै समुदाई । भुजदंडनधारैजोनिशिदिनहोइप्रबलप्राक्रम अधिकाई ॥ तेजप्रतापबढ़ैसुमिरतखनअवलोकतदृग दोषनशाई । धरुशशिमौलिध्यानतेहिरजकोजोचाहैशि वभक्तिदृढ़ाई ६ जोकोउगुरुचरणनअनुरागै । गोपद तुल्यतरैभवसागरतनकबिलंबनलागै ॥ होयउदयउर गगनज्ञानरबिमोहमहानिशिभागै । मिटिजावैअज्ञान

अँधेरोरजुभुवंगभ्रमत्यागै ॥ भ्रातासुतपरिवारप्रीतिर
समनकबहूंनहिंपागै । जगब्योहारस्वप्नवतजानैजनु
सोवततेजागै॥ अनहदसुखइच्छाफलजितनोएकौताहि
नखागै। प्रानायामआसनमुद्रापुनिउतरैत्रिकुटिप्रयागै ॥
गगनगुफापावैशिवदरशनप्रेमपलकमनठागै।जनशशि
मौलिसयानासज्जनभक्तिबिमलबरमांगै७गुरुपदपंकज
प्रीतिलगावौ।जिनकीकृपादेवदुर्लभसुखसहजउपायन
पावौ॥ देहनमेंनरदेहमिलैतोहिबरणनबीरकहावौ । आ
श्रममेंसंन्यासगहनिगहुशिवह्वैशिवपुरजावौ॥बैठोबिम
लबिटपमंडफतरशिवबनबागमझावौ। मुंडमालगजखा
लबिभूषणभालबिभूतिरमावौ॥ भूखप्यासआलसअन
खादिकदेहाभ्यासभुलावौ । सप्तसुरनशशिमौलिसोहंक
रिशृंगीनादबजावौ ८ गुरुमहिमापावैकोपार । शारद
शेषसकलसुरनरमुनिभाषैंज्योंज्योंबार ॥ गणपतिसम
शुभगुणकोआगरहरिसमसतगुणसार । भानुसमानप्र
तापप्रगटजगशिवसमसहजउदार ॥ ब्रह्मासमवेदनको
बकताशीतलशशिअनुहार । सुरपतिसमजनपरकरैदा
यानिरखतनयनहजार ॥ धुंधसमानदीनकोदातानिर्मल
गुणआगार । मदनसमानमंत्रमूरतिसोबशाकियोसबसं
सार ॥ बागेश्वरसमबिद्यावारिदमुनिसमसृष्टिअपार।
धन्वन्तरिसमज्ञानौषधिसोभवरुजनाशनहार॥ समता
योगनसुरकाहूबिधिबरन्योकिबब्योहार।जनशशिमौलि
सगुनधारेतनहैअब्ययअबिकार९॥ राग ॥ बन्दौंगुरुचर
णारबिन्द। हरसदशजाहिबरणैकबिन्द ॥ इनगगनगु

फाकीन्ह्योनिवास। उनवृन्दाबनकियोबिमलबास॥ इ-
नकीन्हसुजनयमत्रासनास। उनकीन्हअभयसुरमहिमु
निन्द॥ भ्रमतमहरनीइतिज्ञानधूप। उतअसुरपतितग
णादिव्यरूप॥ इतशिष्यकमलअरुरबिअनूप। उतग्वा
लउडुगबिचअमलइन्द॥ इतमंत्रनमोहेसाधसन्त। उ
तबांसुरिलोभेजीवजन्त॥ इनकाबूकियोइन्द्रीस्वतंत्र।
कियोनिजवशअवनिकालीफनिंद॥ दोउएकप्रकृतिए
कैस्वभाव। जनदीननपरसमतुल्यचाव॥ तातेतजिभे
दइरषादुराव। शशिमौलिकहैभजुगुरुगोबिंद१०॥ ध्या
नश्रीमहादेवजीका॥ परमात्मापरमक्षरं। सर्बात्मासर्बोपरं॥
करपूरगौरकलेवरं। शिवशंकरंशिवशंकरं॥ योगीनहित
अजपाजपं। जनदीनहितसुरपादपं॥ करुणाउदारदि
गम्बरं। शिवशंकरंशिवशंकरं॥ ओंकाररूपउमाबरं।
आधारजीवचराचरं॥ संसारसारअगोचरं। शिव०॥
बिश्वेश्वरंबिश्वम्भरं। बिधुशेषरंचरमाम्बरं॥ भुजगेंद्र
हारमनोहरं। शिव०॥ गिरिनाहषटमुखभैरवं। भूता-
दिअगणितशाम्भवं॥ यशुदारमन्तन्तांतरं। शिव०॥
राजैशकारवकारद्वै। पोषकजगतअनुहारद्वै॥ हृदयार
बिंदेमधुकरं। शिव०॥ जिमिअर्थबानिबिबेकहै। जल
बीचिद्वंदरुएकहै॥ इमिभवभवानिपदउच्चरं। शिव०॥
हरदासअबिनाशीअजा। अखिलेश्वरीजोशैलजा॥ स
हितंनमामिनिरंतरं। शिव०११॥ बन्दनाश्रीशिवकी॥राग॥
गिरिजापतिगतिकोजानै। जेहिश्रुतिकहिनेतिबखानै॥
लखिहरखिअजिनउरब्याला। षट्वांगबिभूतिकपाला॥

तंत्रोपकरनइमिलीन्हे। ऋधिसिद्धिसुरनकोदीन्हे॥ ग
जबाजिसिंहासनयाना। सुरबाहनबिबिधबिधाना॥ शि
वरीभूसबनसोंन्यारी। मनमानीबैलसवारी॥ यमयक्षब
रुणगंधर्बा। नरनारिचराचरसर्बा॥ छिनमेंसबकोसंहार
न। गहेपर्शकहोकेहिकारन॥ बिधिबिष्णुअमरपुनिआ
ना। पहिरेपटभूषणनाना॥ यहमतकहोकेहिअनुमाना।
ओढ़ेगजचर्मचिराना॥ मुक्तामणिमाणिकस्वरना। भरे
भवनअमितआभरना॥ यहरुचिकहोकौनप्रकारा। किये
ब्यालनकोशृंगारा॥ संन्यासब्रतीजेसाधे। धरेदण्डकमं
डलकाँधे॥ यहकौनसोनेमलियोहै। षट्वांगलियेसँगसोहै॥
सुरसंतसबैसबठोरी। लियेकेसरिमृगमदघोरी॥ यहअच
रजहैअतिभारी। दियेभस्मत्रिपुंड्रपुरारी॥ मनसंपुटपा
त्रसोहाये। सबदेवनकेमनभाये॥ यहभेदकहोकेहिभाँ
ती। लियेमुंडत्रिपुरआराती॥ अद्वैअजअलखमहेशा।
कहिपारनपावतशेशा॥ शशिमौलिहृदयसाबिचारा।
शिवकीगतिअपरंपारा १२॥ राग॥ शंकरसुखसदनमद
नमरदनत्रिपुरारी। शैलसुतारमनशमनसज्जनभैभारी॥
अरुणबरणचरणकरणकुंडलकृतब्याला। दारुणदुखह
रणंशरणसेवकप्रतिपाला॥ डमरूकरकमलअमलइन्दु
सोहैशीशा। नितनयेयशकहतलहतपारनबागीशा॥
अतिहीचितमृदुलबिपुलशीलसरलभाऊ। तन्दुलशिर
धरतकरतचक्रवतिराऊ॥ साधैशशिमौलिसकलसंयम
ब्रतनेमा। बांछितफलसुलभनबिनगिरिजापतिप्रेमा १३
अगुणअलखअद्वैअभिरामा। अजअब्ययअनादिअवि

नाशीअविचलअनघअकामा॥ बिश्वेश्वरबिद्याबुधिबा
रिदलसतबाराणसिधामा। गेहज्ञानगणपतिपितुशंकर
गिरिजाजाकीबामा॥ चिंतामणिचिंतितचिंताहरचेतन
चन्द्रललामा। दुराधर्षधरधीरधुरन्धरधर्मध्वजधनधा
मा॥ सुखसागरसमरथसबलायकदायकजनबिश्रामा।
सोइसहायशशिमौलिसबहिकोशिवशंकरजेहिनामा १४
देखौअद्भुतप्रातसमैशंकरछबि। समतामिलिनसकैका
हूविधिढूंढ़िथकेसकुचेसगरेकबि॥ नरशिरमालहृदैनि
जराजतहालाहलकलकंठरहोदबि। अतिशोभायमान
कटिऊपरनागनकीरहिनागफनीफबि॥ बैठेबाघम्बर
ओढ़ेशिवगिरिकैलासशिखरसुन्दरपबि। गिरिजासँ
गशशिमौलिमगनमनतेजनिरखिरथरोकिरहेरबि १५
कोबरनैशिवसुन्दरताई। कोटिनकामकांतिजेहिजोव
तिजातसदागरिलाजलजाई॥ कालकूटकलकंठबिराज
तसाजतशोभासींवसोहाई। कुंभसमेतनीलमणिमानो
दलनदुसहद्युतिदेतदेखाई॥ भ्राजतभस्मबिशदगौरी
तनसोसुखमाकछुकहिनहिंजाई। जनुकरपूरकनकमूरति
मृदुलसतमनोहरताअधिकाई॥ बिमलव्यालकिंकि
णिकटिऊपरप्रबिशतशुचिलावण्यसदाई। मन्दरमध्य
बसतबासुकिज्योंमथनचहतछबिसिंधुसमाई॥ सोहैश्या
मपदपृष्ठिअरुणतलउदितनखनद्युतिश्वेतप्रभाई। जनु
रबिसुताशारदासुरसरिकरतसदाशशिमौलिसहाई १६
शिवगिरिजागतिजानैसोई। शिवसज्जनअरुशिवपूज
नसोंएकौक्षणजोबिमुखनहोई॥ संन्यासीमिलिजायज

हांकोनिजदुखदोषनराखैगोई। षोड़शभांतिकरैसेवकाई जाइसकलअघऔगुनखोई॥ होइप्रसन्नमहाऋषिजा बिधिसोईकाजकरैकरदोई। असकछुमंत्रमिलैतबतिनसों जाइसकलसंशयभ्रमधोई॥ सोतोहोइनिरद्वंदाफिरैफिरि उघरैगुप्तप्रगटजहँजोई। जनशशिमौलिउमाशंकरगति सोइजानैअरुजानैनकोई १७॥ जरिजानासतीजीकादक्षकी यज्ञमें॥राग॥पितुमखकीन्हदाहनदेह।सहिनसकिअपमान पतिकोपतिव्रताहृढ़नेम॥ सतीसंगजोरहेशिवगणधीरबु धिबलग्रेह। लगेयज्ञविध्वंसकरनेभइमुनिनसंदेह॥तुरत भृगुमुनिजटाफटक्योप्रगटभइयकनारि। कीन्हिरारिनि हारिगणतबचलेजहँत्रिपुरारि॥ शिवसाठोतीनितिनसों कह्योनारदजाइ। चलेतेसबशंभुसुनिपुनितुरतपहुँचेआ इ॥हँसतपूषादसनतिनकेलीन्हपाणिउखारि। खैंचिदा ढ़ीमूछभृगुकीलपकितबदियोडारि॥ प्रसिद्धहरशिवनं दिगणपुनिदंडबिधिवतबाटि। काटिदुरवासाजटागहि दक्षशिरलियोकाटि॥ प्रेमबशशशिमौलिहृगजलप्रबल वरषतनेह। लीन्हशिवउरलायअतिहितसतीदाहन देह१८॥ जन्मश्रीपार्वतीजीका॥राग॥प्रगटभईगिरिजामह रानी। संबतमासपक्षतारातिथिसमयसुमंगलखानी॥ अमितअखंडमंडलाकृतसमसुवनप्रथमदरशानी। ता मेंभईपुनिप्रगटश्यामतासोनसकैकहिवानी॥ ताते अंगुष्ठ प्रमाणभईपुनिजगमतिज्योतिलखानी। परमप्रकाशप रेपरमेश्वरिब्रह्मकहतजेहिज्ञानी॥ ताकेपुनिदोरूपदशि तभयेआकृतिजातिनजानी। अर्द्धगईकैलासदिशाकहँ

अर्द्धरहीठहरानी ॥ अतिअद्भुतशशिमौलिकथातेहि
शारदमतिसकुचानी । मतिअनुमानसुरनसंमतकरिक
हिशिवशक्तिबखानी १५॥राग ॥सोजैजैजैमहरानी। प्रग
टभईभवभारहरनहितहिमक्षीरजधानी ॥ लहकिउठीबे
लीबागनकीरहीजेकुम्हिलानी । भूलेअलिफूलेकुवल
यसरसरिताउमड़ानी ॥ बोलैखगडोलैपौनैशुचिशीत
लतासानी। सुघरीशुचिउघरीशैलनमहँमणिगणकीखा
नी ॥ संवतमासपक्षताराातिथिलगतीसुखदानी । दश
हुँदिशनउतपातिभइदीपतिदनुजनभयमानी ॥ बाजैशं
खपणवदुंदुभिनभहरषेमुनिज्ञानी । नाकनटीनिरतैंगा
वैंगुणमृदुमधुरीबानी ॥ सावित्रीविधिश्रीश्रीपतिपुनिसु
रपतिइंद्रानी । वरषिसुमनकीन्हीबिनतीबहुजोरियुगल
पानी॥ अष्टादशभुजवेषअलखलखिमातुविनयठानी।
कारजकरनअकारनआद्यातुवगतिकेहिजानी ॥ दृगबि
नलखतसुनतश्रवणनविननासाविनघ्रानी । मुखविन
वचनस्वादरसनाविनाहियविनहरषानी॥ करविनकरम
चलनचरननविनकटिविनठहरानी । मनाविनमननचे
तनाचितविनबुधिविनपहिंचानी ॥ अहंकारविनवस्तुज
हांजोहैसबकीमानी । देहबिनानिजनामरूपकरियहवि
दितकियोआनी ॥ ऐसीजोसमरथसबलायकसबविधि
विद्वानी । सोकिअदेहदेहधारैनिजमोमतिसकुचानी ॥
सुनिवरविनयदिव्यमैनाकीमातामुसक्यानी । कीन्हच
हैबहुचरिततुरततबमायालपिटानी ॥ तजौवेगियहवेष
निरखिमैंबहुतैअकुलानी । अतिप्रियमोहिंसुतालीला

सुखदेखिजोदुखहानी॥ लागीरोदनकरनकन्याकैजननी हुलसानी। जैशशिमौलिअजाअखिलेश्वरिसुरमुनिक ल्यानी २० प्रगटभईहिमशैलकुमारी। परमेश्वरिपरगति पारायनिपरानंदप्राणनकीप्यारी॥ ऋष्यमूकमैनाकमेरु गिरिगोवरधनविंध्याचलभारी। लागेसकलसिहानपर स्परहिमगिरिपुण्यसबनतेन्यारी॥कहतकामतागिरितेहि अवसरहमसबसकलरहैनभचारी। मूढ़मदान्धमहाब लगरवितसपनेउचित्तदयानहिंधारी॥बैठतडोलतउठत हमारेअमितगगनवरहोइदुखारी। बसैनिशाजियजा निजहांजबदबिसंहरैनगरतवभारी॥ हिमविवेकअरुध रमधीरताकहनयोगनाहिंजीभहमारी। चलोफिरोनहिं उड़ोआजलगुपुनिअघजीवविनाशविचारी॥ जड़केजड़ हमरहेजौनअघहिमकरनीनिजभयोसुखारी।यथाकर्मश शिमौलिमिलैफलजनिसिहाउपरभाग्यनिहारी २१ जग हितहेतप्रगटभइमाई। अजाजन्मआचरजयोगपैदा सनकाजनबारलगाई॥शिरसोभयोअकाशअमलद्युति केशननीलघटाछबिछाई। भ्रूसोइंद्रधनुषपलकनसोनि मिआनंदहृदयअधिकाई॥ दृगसोरविकरणनसोमारुत नासासोआश्वनिअर्थाई। मुखसोअग्निबरुणरसना सोदशननसोयमराजबड़ाई॥ वाणिसोवाणीअधरसोर तिपतिकंठसोवेदनकीबकताई। कंधसोदक्षभुजनसोसु रपतिकरसोविशुकरमानिपुणाई॥ अँगुलिनसोदिगपा लनखनसोतारागणशोभासमुदाई। उरसोशशिसामुद्र उदरसोकुक्षिनसोधनपतिअधिकाई॥नाभिगणेशयक्षजं

घनसोपद्यवाराहकमठअचलाई।रोमावलिसोअहित्वक
पुनिसोचित्रगुप्तकीचातुरताई ॥ शोणितसोसरितासर
मानसमज्जासोदनुजनदनुजाई । अस्थिअचलकालप्र
ष्टासोरेखनसोसबसृष्टिबनाई ॥ मनसोमनुचितसोल
क्ष्मीपतिबुद्धिशोधिसिरजतचितलाई । अहंकारबलरु
द्रउमाइमिकियोशशिमौलिबिराटउपाई २२ गिरिजा
जन्मतुहिनिगृहलीन्ह्यो । हराषितबरषिसुमनसुरतरुके
सुरनदुंदुभीदीन्हयो॥ कोटिसुवनसमसुताजानिजोहिदा
नअनेकनकीन्हयो । भयेशशिमौलिमगनमनदंपति
दिव्यरूपकरिचीन्हयो २३ जाकोपावतपारनशेष ।
सोनारायणप्रगटशैलगृहधरेसुताकोवेष ॥ विश्वभर
नपोषनसबसहजहिहोतशक्तिजेहिपाइ।तहिजननीपाहि
रायछठोलोछठीकरतउरलाइ ॥ अंतनलहतमारकंडेश
तनासनयेजपिजासु।गिरिगिनवाइगणितगारनसोनाम
धरावततासु॥निगमअगमगतिजासुजानिजियनेतिकह
तकरितोष । जन्मपत्रखिंचवाइतासुपितुपूछतगुणअरु
दोष॥ पोषतजननीजठरजीवनजोदेतअशनमनमोद ।
अन्नपराशनकरतमातुतेहिबैठारेनिजगोद ॥ भद्रवेषउ
रजटाभारयहसंन्यासीजेहिध्याव । क्षौरकर्मकरवाइता
सुपितुकरतचौगुनोचाव ॥ करतगानगुणजासुदिवसनि
शिचितलगाइसुरसंत ।करणवेधशशिमौलिकराहितेहि
मातुहरषिअत्यन्त२४ ॥ चन्द्रलीला॥राग ॥ लीन्हेगोदउ
माकहँमाई । पूरणइंदुउदितअरधनिशितैसहितासुछ
टाछबिछाई॥नींदनपरतप्रियहिबहिलावतशशिहिबोल।

वतकरफैलाई॥हैभूखीकन्याममताकहँजाउसुधारसबेगि पियाई॥ किलकतहँसतलखैनाहिंनभतनबारबड़ीतवदे खिजोन्हाई। देखतहीजननीकीबातेंदीन्हअचानकहा थउठाई॥स्यन्दनसहितसुधाकरतवक्षणसहितसुधाना योशिरआई। गयेमूंदिनैनादगत्योंहींब्यापिगईतनशीत लताई॥ कीन्हविदाबिधुकहँजगदम्बाहरीमातुमुरछा अलसाई। मैंशशिमौलिहृदयतेहिनिश्चयहैईश्वरिजे हिसृष्टिउपाई २५॥ चलनागिरिजाजीका॥ राग॥ लगी जबचरनधरनधरनी। कीन्हमनमोदमहीसुरसन्तभई अबसिद्धसकलकरनी॥ उपजसुरमधुरबजतघुँघुरूसु- नतडिगाठिठुकिरहीहरनी। समुझिसोशब्दकरहिजोध्या नतरहिभवसिंधुबिनातरनी॥ मनोहरमंदमृदुलमुसका तदसकद्युतिदशनद्रुसहदरनी। सकुचवशमासुमयंक प्रकाशसहसमुखजातनहींबरनी॥ कहेशशिमौलिजप तजेहिनामपतितभयेसंतसदाचरनी। प्रगटमहरानिसो बालस्वरूपनमोहिमओहिमकीघरनी २६ चलीजात गिरिजामगनमन। हिमवानआंगनअमलद्युतिकरत परमपावनपगनसन॥ भइभूमिकोमलकमलओकियो शीशछायागगनघन। शशिमौलिगिरिजादरशहितभ योदेवतनकेदगनअन २७ भलिछबिसोहिरहीदोउपाय न। रुनुझुनुधुनिघुँघुरुनउपजतजबजातसकुचिसगरे गुनगायन॥ होतचरणचिह्नितक्षितिज्योंज्योंत्योंत्योंनि जसमुझततारायन। लीन्हदुरायद्रुसहकंकरकुशभईको मलमहिसहजसुभायन॥ पदतललालितलसतउघर

तद्युतिदियदामिनिउपमाकरिआयन। अंकुशकुलिश आदिकरेखनपैहियहारीकरिकोटिउपायन॥ अतिही सुघरश्यामतालीन्हेंहैपदप्टष्टिप्रत्यक्षप्रभायन। यमुना प्रेमपगीवाकेइमिसोइसजरंगरँगीचितचायन॥ नखअ वलीलखिलाजविवशह्वैतारागणमूंदेचन्द्रायन। चन्द्र भयोगरबिततताहेसोघटतबढ़तबिरहिनदुखदायन॥ जे हिरजकीअभिलाषकरहिंनित योगीयतीतपीजलशाय न। सोइशशिमौलिमिलौमाईमोहिंमांगतमैंनहिंआन रसायन २८॥ बन्दनागिरिजा॥ राग॥ गिरिजायशज गमगचिंतामन। श्रुतिमगकैहियधामधरौजनत्रिबिधि तापतमकोडारोहन॥ दुखदारिद्रकीहानिसकलबिधि लाभअनेकसोकौनसकैगन। सपन्योदीखप्रकाशतासु जेहिभूरिभागताकेकहियेधन॥ बागलगायदियोमगमें तबबापीकूपतड़ागदेउखन। सोसबपुण्यउदयभइताकी जेहिपायोयहपरमबिजक्षन॥ भक्तिवेदमहिमाजाकीक हिनहिंसामर्थ्यजोऔरसकैभन। जोनिजभूठफिरैभले जेतिनपरसदासाढ़सातीशन॥ योगीजनजोगवेंजेहिम णिकहँराखैपानसमानयथाफन। सोशशिमौलिसुलभ भइतोकहँगहुपोढ़ेअबभूलुभटकिजन २९ रीझैईशउ माकेजापी। क्षणभंगुरादेहधरिधरिसोफिरत्रयतापनता पी॥ परमानन्दअमीरसकोघटउरअस्थलअस्थापी। आधिव्याधिबिग्रहबिस्मयबिषकबहूंताहिनव्यापी॥ ज्ञा नबैरागयोगमारगमहँजोसुखवेदअलापी। सोसबलहै सहैनहिंपैश्रमदहैदुसहदुखदापी॥ मोहादिकचितकेचो

रनकोज्ञानचरनसोचापी। डारितिन्हैंहिंनिरद्वन्दकोठरीप
टबिवेकसोढापी॥ ह्वैअद्वैतअमलअद्वैपदपावैप्रबलप्र
तापी। हरषबिषादनअस्तुतिनिन्दाकरैकृपानहिंशापी॥
संयमयोगयज्ञतपतीरथसबहीसोमुखझापी। शिवस्वरू
पशाशिमौलिमिलोजबस्वयंसिद्धभयोआपी ३०॥ खेलन
पार्बतीजीका॥ राग॥ सुकुमारिनसँगखेलनलागी।वेदभेद
नहिंजानतजाकोतोतरबोलबोलतअनुरागी॥ मुखमुसु
कानिमधुरतारसबसशशिकरमेंभइअमिरतपागी। याही
तेकरिचाउचकोरैचितवतताहिरहीनिशिजागी॥ दुइदु
इदशनदेखिदामिनिकेभइसबकलाप्रत्यक्षबिरागी। इत
दरशनकोलोभलाजउतउघरतदुरतअपनपौत्यागी॥
लक्षणललितलखतगिरिजाके कहतनगरसखिसकल
सोहागी। हैशशिमौलिप्रगटजगदम्बा देखिइन्हैंहम
सबबड़भागी ३१ पटप्रतिमारचिरुचिरसोहाई। खे
लनलगींकुमारिनकेसँगकरिलीलालरिकाई॥ सुरसुन्द
रीनामतिनकोधरिज्योंहींटेरिबोलाई। चिदानन्दचेतन
ह्वैह्वैसबकरजोरेउठिधाई॥ वैसैशीलस्वभावक्षमा
छबिचरणचारुचतुराई। सजिशिंगारनिजनिजलोकन
सोजनुअबहींचलिआई॥ काम्पिकुबेरइन्द्रबरुणादिक
देवजातिजहँताई। धीरनधरतकरतअतिहीभयमंत्र
सबैसबठाई॥पुरुषनहूबिरचनचाहतहैंजैसेशक्तिरचाई।
अबतेतहांहोइगेस्थितहमसबजौनजहांई॥ शंकरनिकट
जाइपायनपरिपीड़ासकलसुनाई। उमाचरितशशिमौ
लिकह्योतवतुमनिरशंकसदाई ३२ जागजगजीवन

गिरिजाजगमगगृहभयेभये ॥ दरशनकाजखड़ेसुरमु
निगुणगावतनयेनये । गंगाजलझारीसखियांसबठाढ़ी
लयेलये ॥ उठिबैठीसुनिशैलसुतासबदुखमिटिगयेग
ये । नायोशिरशशिमौलिमगनचरणनाचितदयेदये ३३
गिरिजादेखुसंध्याभई । हैसमयअबआरतीकोखेलुज
निअँगनई॥ सगुनलीलाछांड़िक्षणभरिबैठुमैंबलिगई ।
लेहुँकरितुवचरणपूजाजक्तमंगलमई॥ सुनिसिंहासनकी
न्हआसनमातुपूजालई । धनिसोकहिशशिमौलिसोजे
हिजनानिबुधियहदई ३४ अबजनिजाहुखेलनदूरि ।
देखिसकलसिहाततुमकहँदृष्टिजिनकीकूर॥लोगसबसुत
पाइसमझतकामनानिजपूर । तुमसुतासुतसरिसमो
कोजक्तमंगलमूर ॥ परततोमुखधूपछाहींभरतपगमग
धूर । लरतपरसुकुमारतुमसनकरतनितझकझोर ॥
कहतइमिशशिमौलिमातामोहबशतृणतूर । यंत्रदीन
बँधायभुजपरमंत्रसमुझिबिसूरि३५॥ सखीबचन ॥ यह
कन्याबड़ेभागनपाई । राखनयोग्यहृदयसंपुटकेहैदेवी
कीमूरतिमाई ॥ बुधिविद्याविश्वासविनयबलवानीवृत्य
विवेकबड़ाई । जबतेप्रगटभईगिरिनंदिनित्रिभुवनभू
तिभवनतवछाई ॥ सुतलक्षणलक्षितसबयाकेअद्भुत
चेष्टाचिह्नसोहाई । हेरनिहँसनिचलनिअरुबोलनिलेहि
मनोविधिचित्तचोराई ॥ खंजनदृगभ्रुवइंद्रशरासनशुक
नासामुखइंदुलजाई। दाड़िमदशनअधरविंबाफलकंठ
कपोतरहैसकुचाई ॥ गोसुतकंधकमलकरदोउकटिकेह
रिपदकंजलोभाई । नखशिखसुखशोभाकीआगरतापर

शीलसकुचअधिकाई ॥ राखुछिपाइक्षपाकरसोंतेहिन
हिंदेखाउदिनकरअरुणाई । दृष्टिकुदृष्टिबचाउयतनक
रिमैंशशिमौलिकहतशिरनाई ३६ ॥ अद्भुतलीलाश्रीपार्व
तीजी ॥ राग ॥ खेलैआँगनभरीअंगनधूरि । तेहिअवस
रमातातहँआईलीन्हसुतानिजगोदउठाई पालनपरपौ
ढ़ायोजाई आपगईकहुँकाजबिसूरि ॥ आईपलटिअचं
भौदेखा कोटिनहरिबिधिसुरपतिशेषा सुरकिन्नरमुनि
अगणितबेषा करतबिनयठाढ़ेसबदूरि । अंबासिंहासन
आसनकीन्हें सुरसबसेवामेंचितदीन्हें कोऊछत्रब्यजन
कोउलीन्हे कोउभाषतमहिमाअतिरूरि ॥ कौतुक
देखिलोभानीमैना भरिआयोजलराजिवनैना अस्तुति
करतसुहावनबैनाजैजननीजगजीवनिमूरि । जानाज्ञा
नउमामुसक्यानी सोसबलीलाललितलुकानी भटाकिर
हीशशिमौलिसयानीतासुहृदयमायागइपूरि ३७॥ सखी
बचनटूटनामालाश्रीगिरिजामहारानीका॥ राग ॥ आजमहारि
सवशवहबाला । सुनुजननीतेरीकन्याकरटूटतासुमुक्तन
करमाला ॥ यदपिओराहनदीन्हनसकोनहिंकछुब्यंग्य
बचनप्रतिपाला । तदपिसकोचशोचबशताक्षणसजल
नैनभैनिपटबेहाला॥ देखतदौरिदशाताकीमैंजाइनिकट
कह्योबचनरसाला । इकदुइजातिरहेमुक्तातुवताहिन
असिबुधिबिकलबिशाला ॥ कोटिकहयोतेहितोषभयो
नहिंतुवतुवशोचरचायहचाला । वेगिप्रबोधकरयोजन
नीतेहिजनिराखौकुंठितकरिख्याला ॥ सुनिशशिमौलि
कहयोतबरानीहैयहलोभमहाबिकराला । देउँपठाइभ

वनमुक्कासोंबरषोजलजिमिपावसकाला ३८ ॥ रागपद॥ मुक्काकोमालकहींटूटो॥ गिरिकन्याकरिरिसबशअज्ञातन हींमानैसमुझायो। जनीभरिभारतहांपठयोसोलीन्ह्योन हिंसमुझीनृपदंडातदपिअतिहीदुखपायो ॥ अज्ञाकियो अंबकुबेर आतुरचाढ़िपुष्पकतबपावसजलसरिसनगर मुक्कनझरिलायो । भरिगयेगृहअजिरबिपिनवापिकसो चरितानिरखिपुरजन शशिमौलिहृदयअचरजअधिका यो ३९ ॥ जलबिहारलीला ॥ राग ॥ इकदिनशैलकुमारिच लीसरिताअस्नानन। दरशहेतुसुरसिद्धसकलधायेचढ़ि यानन॥ कोऊछत्रछायाकियेकोउचामरसुखमूल।कोउगा वैबिनवैकोऊकोऊबरषैफूल ॥ संगसखिनकेझुंडलसैसुंद रपटभूषन। बहुशोभाशृंगारदियेपटतरिबड़दूषन ॥जग दंबाजेहिमंडलीकोटिनइंदुप्रकास। उपमासबजुगुनूसरि सहोतकबिनउरत्रास ॥ सरिताकेतटजायउमाआवाहन कीन्हा।ततक्षणतीरथराजसकलतीरथसँगलीन्हा ॥ आ योजगदंबानिकटनायोचरणनशीश । लायोभारीभेटबहु पायोमातुअशीश ॥करिसंकलपबहोरिजोरिकरशैलकुमा री। धोयोमुखपदपाणिसहितसखियनबरनारी ॥ सकल सुरनबिनतीकरीबिदाभयेपरिपाय। निजनिजबसनउता रितियलागींतुरतनहाय॥ शैलसुताजेहिकालचरणसरि ताजलडारो । तीरथसबहरषानबिनयकेबचनउचारो ॥ नहिंजानीकाबानिपरीपूरुबपुण्यहमारि । जगपावनपाव नकियोसबअपराधबिसारि ॥ बोल्योतीरथराजपापत्र- तिहीजबछायो । लखिअवसरमैंआजसबनयाहीतेला

यो॥ पापीकरिमज्जनहमैंनिजनिजपातकदीन्ह। आज तुम्हारेचरणरजहमकहँनिरमलकीन्ह॥सुनिमुसक्यानी मातुलगीकलकरनकलोलै। तेहिअवसरगइआइअम रकन्याअनमोलै॥बहुबाहनबहुवेषछबिबहुभूषणशृंगार। नाइनाइशिरसरितमहँलागीकरनाबिहार॥गावतछंदप्रबं धकरैकोउअस्तुतिठाढ़ी। जलबिनोदरसकेलिसमयशो भाबड़िबाढ़ी॥ कोबरनैमंगलमहाथकेशेषगुणगाइ। कोटिबदनसोंअंबुकीमाहिमाकहीनजाइ॥ करियाबिधि अस्नानबारिबाहरसोआई। भूषनबसनसुधारिसबैनि जनिजछबिछाई॥ अलंकारपटदिब्यतबपहिरोशैलकु मारि। पूजाकीन्हीमानसीशिवमूरतिउरधारि॥ लखिवि लंबभयमानिचलीमंदिरमहरानी। सुरकन्याशिरनाइ गईनिजगृहसुखमानी॥ लियेसंगसखियांसकलउमा गईनिजधाम। देखिपितामाता मुदित ह्वैगयेपूरण काम॥ पैपायसपकवानपदारथसकलसुहाये। धरिकंच नकेपात्रसुतैअतिहेतुजेंवाये॥जलविहारलीलारुचिरगा वैसुनैजोकोइ। तेहिशशिमौलिप्रसन्नतादिनदिनदूनीहो इ ४०॥ कौतुकलीला यानीगोटक॥ राग॥ खेलतमनिगो- अतिउमंग।श्रीशैलसुतानवललिनसंग॥करतलसोंगग नउछालिदेत। करपृष्ठतिन्हैंपुनिराखिलेत॥ लखिलालि तहथेरीफेरफार। गारिलाजगयोइतसहितमार॥ यहि भांतिकरतकौतुकसयानि। कोउहँसतिकहतकोउमृदुल बानि॥ सोस्वस्थहूजैकछुमहारानि। मनुदूषणलागी कमलपानि॥ तिहिअवसरइकइककरतिचाव। आयो

भुजगेंद्रनकोजमाव ॥ बहुजातिविविधशोभासमाज । सबकेशिरसुन्दरमणिबिराज ॥ कोउकहतहमारीमणिअमोल । अणिमामनजापरउमाडोल ॥ कहैएकबड़ोबोलौनबोल । कष्टितचितमोमनकरतलोल ॥ सुततार्क्षअपरकीन्होबखान । मेरीमणिपरसुरपतिलुभान ॥ प्रतिउत्तरबोलाबहुरिएक । परिपूरणमोमणिगुणअनेक ॥ तबएककहीबिधिनिकटहंस । मेरीमणिकोकीन्हयोप्रशंस ॥ इककहतरमानितलीन्हनाम । मेरीमणिकोबैकुंठधाम ॥ भाष्योतबएकनमणिहमारि । रंभाउरबसिबशकरनहारि ॥ बोलाइकअहितुमकहतकाह । त्रिभुवनसबयाकीकरतचाह ॥ इकऔरकहयोयाकोप्रकास । हैतुल्यदिवाकरके प्रभास ॥ भाष्योइकअहिपुनिसहितहेत । अष्टादशकंचनभारदेत॥पश्चातकहीइकफणिकबात।अपनीअपनीतुमकहतजात॥ लैखेलैउमाजेहिहरषिमान।मणिसोइशिरोमणिमेरिजान॥ गहिमष्टरहेसुनिसकलब्याल। आयेगिरिजाढिगअतिनिहाल ॥ बशप्रेमसकलशिरनाइनाइ । निजनिजमणिचरणनधरिनिजाइ ॥ सबहुनजगदंबपरतोषकीन्ह । डरपीकन्यातबसैनदीन्ह ॥गयेब्यालबिदाह्वैप्रेमपागि । शशिमौलिउमाइतखेलैलागि ४१
बाजनाघुँघुरूपायँगिरिजामहारानीका ॥ राग ॥ श्रवणसुनिनूपुरकीझनकार। गयोछायदशचारिभुवनमेंमोहनमंत्रउदार ॥ श्रीसमेतश्रीपतिश्रीपुरमेंकरतरहेज्योनार । गयेरहिरोकिहाथहरषितह्वैप्रगट्योप्रेमअपार ॥ पढ़तवेदभ्रमभयोब्रह्माकोलागेकरनबिचार । जानिभेदभूलीतन

कीसुधिसुमिरतबारम्बार ॥ होतरह्योनूतनाकनटिनको सुरपतिकेदरबार । डुगेतालबंधानठगेसबचित्रलिखे अनुहार ॥ नरकिन्नरयमयक्षजानिजिमिजोजौनीआका र । गयेअपनपौंहारिहृदयतेभयेमनौंमतवार ॥ योगी श्वरसंन्यासयतिनकोनेकनरह्योसम्हार । बुधिबलअ लपजिन्हैंतिनकीगतिकोवरनैविस्तार॥बंधमोक्षशशिमौ लिसबनकीजेइच्छाआधार। तेहिगिरिजापदनूपुरकीध्व निकिनमोहीसंसार४२॥हिंडोलाझूलनागिरिजामहरानीका॥ राग ॥ रंगहिंडोलाआजउमाझूलनचलीं । करिनिजनि जशृंगारसजीसखियांभलीं ॥ सुखशोभारसपूरपुलकिपु लकींगलीं।रतिरम्भादिकनागिनिरखिसोछबिछलीं ॥ गा वतगीतप्रबंधविमलपुरकीअलीं।सुनिधुनिधरतनधीरसु रासुरकीललीं ॥ परीअमरतरुडारडोरिसांचेढलीं । स्व र्णखटोलासेजसजेचुनिकैकलीं ॥ झूलतश्रीजगदंबादि यापातीहलीं।टूरिरह्योशशिमौलिमनोरथकीफलीं ४३॥ देखनास्वप्नगिरिजामहरानीकाकहनामातासे ॥ राग ॥ मैंमातु स्वपनएकदेखा। जाकरकछुअद्भुतलेखा॥ चारिदंडज बब्रह्मलगनसेरहीरैनिअवशेखा । आयोएकपुरुषमेरेढि गभाष्योभूसुरवेखा॥ उठुउठुराजसुतांतवकारणकरुवन गवनाविशेखा । नारदवचनसत्यसबहीबिधिमानोकछुन परेखा ॥ योगीजटिलअकाममिलैवरपरीहस्तमहँरेखा । सोसबसांचुशंभुपुनितैसेपैबिनतपकिनदेखा ॥ तपबल विधिसिरजैपालैहारिधरैभारशिरशेखा । शिवशशिमौ लिमिलैंगेतेहिबलयामेंमीननमेखा ४४ ॥ राग ॥ माईस

कोचनकीजैकछुमेरेकाजहुकाज ॥ आधीरैनस्वप्नमैंदेखा
आयोजनुकोउब्राह्मणवेखा।लागकरनउपदेशविशेखा॥
उठिकरुतपतजिलाजहुलाज ॥ नारदहस्तरेखजोभाखा
हैसबसत्यनअंतरराखा।होइजोशंकरकीअभिलाखाकरि
यविपिनकरसाजहुसाज ॥ तातेतोषकरहुमनमाहींमो
हिंकछूवनमेंभयनाहीं। सहजैयेदिनरैनिसेराहींफिरिमंग
लछबिछाजहुछाज ॥ सुनियहिभाँतिउमाकेबैनाबिकल
भयेहिमगिरिअरुमैना। काहूयतनहृदयसमुझैनाधीरज
मनसनभाजेहुभाज॥ऋषीआइतबहींसमुझायोकहिप्र
भावमनमोहमिटायो।तबशशिमौलिउमाशिरनायोहिय
शिवभावविराजहुराज ४५॥ माताबचन॥ काहूविधिमो
हछुटतनाहीं ॥ देवदनुजकिन्नरअरुचारणबहुबिधियत
नकराहीं। फँसेमोहबंधनमेंतेसबकबहूंनहिंबिलगाहीं॥
यमअरुयक्षवरुणविद्याधरबलप्रभावअधिकाहीं। जाति
नदेखिदशातिनकीजिमिजड़ेजँजीरनमाहीं ॥ पशुपक्षी
नरनागजहाँजोजौनेजोवनजाहीं । मोहरहितनहिंहोहिं
क्षणौभरिफिरिपाछेपछिताहीं ॥ कहैशशिमौलिपितामा
तासुतमोहजालयेआहीं। शिवशैलजामोहकबहूंजनिते
तिनसोंअलगाहीं ४६ ॥ मनाकरनामाताकागिरिजामहरा
नीसेजानेबनके ॥ राग ॥ तुमसुतासुकुमारीकाननकठिनभ
यंकरभारी ॥ अतिकोमलमृदुगाततिहारेधानपानअनु
हारी । सहिकसजाइबतावोमोकोघोरघामहिमिवारिव
यारी ॥ नारदकहैंनहिंउचितरहैअसनिजमायाविस्ता
री। दीन्हउचाटिनगरमंदिरतेकीन्हपितापुरजनसोंन्या

री ॥ जोऐसीदृढ़टेकतुम्हारीतौमैंकहतबिचारी। घरही
मेंशशिमौलिकरौतपहोइसबनकोहितअधिकारी ४७॥
बिहागतालहोली॥विपिनजनिजाउअकेलीप्यारी।मैंबलि
हारीतिहारी॥ वनमेंबहुकेहरिकपिकुंजरभालुभुजगभय
कारी। तहँतुमसंगलेतनहिंकाहूयहअसमंजसभारी ॥
घोरघामग्रीषमकोतीक्षणपवनप्रचंडप्रचारी। ताविचळ
त्रछाहझाड़ीवनकोतुमकोनिरधारी॥बरषतवारिबिड़ेबड़े
बूंदनघनघमंडबिस्तारी। तेहिअवसरसुधिआवैसदन
कीहोतबिकलनरनारी॥ परेपंथकांटाकंकरकुशहैअतिही
अँधियारी। हाथपसारोसूझतनाहीं भ्रमितहोतबन
चारी॥हैबहुबिपतिकहांलौबरनौंमानुतुसीखहमारी।ली
जैसंगसखीअरुमोकोसबसंकोचबिसारी॥ सुनिमाताबर
बैनउमातबबोलीबचनबिचारी। हैंशशिमौलिकहासंश
यतेहिजोपूजैत्रिपुरारी ४८॥ बचनगिरिजामहरानीके॥ज
निजननीजियशोचकरैकछुकरमयथारथजानि। बड़ेबड़े
बुद्धिमानविद्याधरयोगयतनकीखानि॥ मेटिसकतनहिं
करमलिखाकोउहियहारेप्रणठानि। जीवनमरनसुयश
अपयशपुनिदुखसुखलाभरुहानि॥ हैआधीनकरमही
केसबसोलीजैपहिंचानि।तिलभरिघटतबढ़तनाहिंरंचक
श्रीब्रह्माकीबानि॥ तासुउलंघनउचितनकाहूकविजन
कहतबखानि।सुनिगिरिजाकेबैनबिमलबरउरपुरधीरज
आनि॥ कीन्हबिदाशशिमौलिउमाकहँकर्मप्रवलअनु
मानि ४९ करैजनिप्रीतिहमारीमैंतोगृहकुलतेभैन्यारी।
नारदऋषिजोकछुभाखापरतीतिसो करिमैंराखाशिवदर

शनकीअभिलाखातपकरिहौंबिपिनमैंभारी ॥ अबकोटिकोउसमुझावैमनमेरेएकनआवैबिधिकीगति जानिन जावैपैमोहिंभरोसाभारी । यद्यपिअजअलखअकामा इंद्रीजितचंद्रललामातद्यपिलाखिकिंकरिवामा मिलिहैं मोहिंअवशिपुरारी ॥ शशिमौलिउमाकीवानीशोचैंसुनिसुखिसयानीयहिबैसजोअसप्रणठानीअसमंजसहै अधिकारी ५० ॥ सखीबचन ॥ तजौजनिमोहिंमहारानी । बालापनसोंकीन्हकृपाजिमिकहिनसकैवानी ॥ खानपानएकैसंगकीन्ह्योंखेलीसुखमानी । अबबिछुरनदुखजातसह्योनाहिंहोतबड़ीहानी ॥ तुमबिनकोआधारहमारोप्राणनअकुलानी । मणिबिनव्यालजियैंकहौकैसेमीनबिनापानी ॥ साथहमैंलैजाउदयाकरिनिजदासिनिजानी । सेवामेंशशिमौलिसदाहमरैहैंहरषानी५१॥बचनगिरिजामहरानीजीका ॥ तुमसबलायकसकलसहेली । मेरीसदारहींसेवामेंगृहकारजनिजदीन्हसकेली ॥ जोजोतुमहमारहितकीन्हौंकहिनसकौंमुखसहसनवेली । काहूभांतिउऋणहमनाहींप्राणप्रियातुमहौअलबेली॥ज्योंअज्ञामानीमोनिशिदिनत्योंअजहूंहठिदेउप्रहेली। संगचलौजनिभवनहमारेजननिहिंबहिलायोकुछुखेली ॥ बनविशेषलैजातिहुंतुमकहँयहहैअसमंजसउरमेली । शम्भुभजनएकांतकह्योश्रुतितातेबनहमजाहिंअकेली५२ ॥ सखीवचन॥समुझानागिरिजासहरानीका ॥ गिरिजाजननिकीजैलरिकाई । हैतूसकलसतीकेलक्षणअबयहतनधरिआई ॥ तुवमायावशजीवचराचरभ्रमत

फिरतसबठाई । नाचतनाचनचावतजाबिधिदारुतिया
कीनाई॥ योगीयतीजपीजलशायनीमुनितापसजहँताई।
योगक्रियाजपयतनयज्ञतपतुवहितकरतसदाई ॥ जग
जोवस्तुजहांलौंजितनीतेतुमहीप्रगटाई । सावित्रीकम
लाइंद्रानीहौसबकीमनभाई॥यद्यपिआपअपनिप्रभुता
सबकैसुकुमारिजताई । तदपितुम्हारिदयाहमरेमुखयेबा
तैंउपजाई ॥ सुनिमुसकायदेवगिरिनंदिनिजक्कमोहनी
धाई । तेशशिमौलिसकलसखियनकहँमायामेंलपिटाई
५३ ॥ शोचकरनामैनाकाजानेबनगिरिजामहरानीका ॥ प्रिय
जीकीजियसुरतिलगीरी। कलनहिंपरतधरतनहिंधीरज
आंखिनकीनिशिनींदभगीरी ॥ बारीबैसबासबनमेंकियो
ऋषिनारदकेबचनठगीरी । कपिकेहरिवृकवाघभरेजेहि
बिचतिनसोकिमियोगजगीरी ॥बसतसदामणिमयमंदि
रजोछत्रव्यजनआनँदउमगीरी। सोसुकुमारिकठिनका
ननमेंकुशकंकरदुखदाहदगीरी ॥ कोमलकमलगातमृदु
मूरतिचंद्रछटाछबिरूपरँगीरी। तेहिविधनातपकरनपठा
योमोसमकाकीपुण्यखँगीरी ॥ करतशोचयाविधिहिमरा
नीताहिकालनभध्वनिसजगीरी। हैशशिमौलिनदुखस
पनेतेहिजोशंकरपदप्रेमपगीरी ५४॥ समुझानामैनाका॥
जनिशोचकरौमाई । सुखदुखदेहसाथसबकेयहरीतिच
लीआई ॥ करतभोगसोइभयेवियोगबशलहतबिकल
ताई। जबजसजूनलिखोजेहिकरमनहोतअवशिआई॥
जानतनतुतिनरीतिसकलविधिविधिकिकठिनताई । क
रमप्रमाणलिख्योजाकेजोमेटिनहींजाई ॥ असजियजा

निधरौधीरजउरत्यागौकदराई । रीभवूभशशिमौलि
प्रभूकीकोजानैभाई ५५ मोहितौशंकरहीकीत्रास ।
कोऊकोटिकरैपरिहास ॥ मातपितातजिदियेभवनसो
सखियांभईउदास । लाखुचचाउकरैंपुरवासी हैनाहीं
कछुत्रास ॥ तुमजोकहतशंभुत्रौगुणमय बिष्णुसकल
गुणरास । अमृतमेंगुणसकलस्वातिबिनबुभतनजलु
कपियास ॥ मातुपितापरिवारकुटुमगृहत्याग्योब्याक्त
प्रयास । होइबियोगदेहप्राणौकरतजौंनशिवाविश्वास ॥
खंडखंडह्वैजायँजरैंपुनिजठरअगिनकरवास । मीनदशा
देखौताह्नूपरतजतनबारिबिलास ॥ महारजतप्रगटैपाह
नतेजारेहुतजतनभास । मोहूंतौशशिमौलिशैलजाप्र
णकिमिहोइबिनास ५६ तपआरम्भकीन्हमहरानी । ह्वै
साचमनबैठिकमलासनभतसिद्धिकरिसंध्याठानी ॥ षो
रंन्यासषड़ंगकीन्हजबतारिदीन्हकरिफटयुगपानी । मस
कएकप्रगट्योकरसोतबततक्षणभयोअँगुष्ठप्रमानी ॥ क्ष
णमहँबालकुमारअवरुथातुरतैतरुणबैसअधिकानी । बि
कटवेषभारीभयदायककरतशब्दपृथिवीअकुलानी ॥ कँ
पेसिंधुगिरिपवनडरेमनआकसमातदेवद्युतिहानी । शो
चनलगेपरसपरअगजगईश्वरगतिकछुजातनजानी ॥
परेचरणसुरगुरुकेसुरसबधरोधीरबोलेगुरुज्ञानी । जन्मे
उयातुधानुकोऊकहुँकछुदिनमेंतेहिआयुतुलानी ॥ इहां
सोअसुरजीत्योचारोदिशिदेखिनपर्य्योकतहुंकोउप्रानी।
करतविचारकौनकाकोमैंकोहिराखोमोहिंविनमाहिआनी॥
जगदम्बिकाध्यानमहँबैठीजानाहैकोउपरमसयानी।कर

युगजोरिसहससम्बतसोरहाठाढ़नाहिंमति भ्रममानी ॥
खोल्योहगदेख्योजननीतेहिकैप्रसन्नबोलीमृदुबानी । मां
गुअमरपदक्षोडिक्षोभक्षलधनधृतिधरनधामरजधानी ॥
कामरूपरवितेजसोमशतइन्द्रराजअहिपतिअचलानी ।
कह्योअसुरजोमरनएकदिनतृणसमानलीजैंपाहिंचानी ॥
सुनिसुरारिबुधिबलचातुरतामनहींमनमातामुसक्यानी ।
मोहिलईमतिसोबोल्योपुनिअबजोकहौंसोलीजैमानी ॥
एकदुइतीनिचारिपंचाननबहुमुखबिनमुखवेदबखानी ।
हैषटबदननकोऊताकेकरमुक्तिमिलैमोहिंमातुसयानी ॥ क
हिएवमस्तुतेजप्राक्रमबलदीन्हिताहिसबआनँदखानी ।
आपभईपुनिध्याननिरततबप्रभुताबशतेहिमतिबौरानी ।
वनबिनस्वामिअकेलेकामिनि हरौंहृदयअसइच्छाआ
नी । ज्योंहीचलनचह्योमाताढिगषटमुखमूरतिताहिल
खानी ॥ भग्योबहुतपाछेसोधायोघूम्योनभपतालछिति
छानी । हारोबहुतमूँदिहगबैठोपाहिजननिअघहरनिभ
वानी ॥ बीतेचारिदंडजबयाबिधिखोल्योनैनबिकलअ
ज्ञानी । देखिकहूंकोऊनहिंसम्भ्रमतबहरष्योनिजजीव
नजानी ॥ कछुदिनमेंगयोभूलिव्यथासबरारिसकलसुर
मुनिसनठानी । होनचहैशशिमौलिसदासोइईश्वरिजो
इच्छाउरआनी ५७ कठिनबनबासकियोमहरानी । शिव
तपउरअनुमानी ॥ पहिलेपरनकुटीरचिराखीदेवनअव
सरजानी । ठौरठौरसरकूपवापिकापुष्पावलिकीखानी ॥
प्रेममगनऋतुराजरुचिरतहँआयोअतिसुखमानी । क
रिबिनतीबिरच्योरचनानिजरतिरम्भासकुचानी ॥ ला

गिभईगतिमन्दमहाप्रियपवनसुधाकीसानी । महकेसु मनलतालहकेसबचहकेखगबहुबानी ॥ गुंजैंअलिपुंजैं पंकजदलकुंजेंभुँकिझलकानी । जगदीश्वरिशशिमौलि बसीजहँछबिकिमिजाइबखानी ५८ उजियारीभादोंकी तीज । भवभयहरनभरनआनँदउरकरनमहाअघछीज ॥ निराहारनिरजलजगदम्बाशिवपारथीबनाइ । चारि यामयामिनिजागरनकरिपूज्योषोड़शभाइ ॥ पेखिप्रभात विसरजनकरिपुनिपारनइच्छाकीन्ह । किराततिनितब आइमूलफलमातुनिकटधरिदीन्ह ॥ परमप्रसन्नप्रसाद प्रथमहीदीनसबनकहँअम्ब । शिरधरिखानलगेतेसब तेहिएकनकीन्हबिलम्ब ॥ करिधिकधिकयाताकिकहैंस बकूरकरीकितबार । कीन्हनहींआचमनदिशाकेतातेहै यहआर ॥ संयमनेमआचमनमज्जनकलुयामेंनबिचार । मातुप्रसादकूलतापरहमसबाबिधिउचितअहार ॥ मानी नहींमूढ़काहूबिधिकीन्हसबनतबहोड़ । उठौचलौकहि कोपिमातुतबसैनदियोकहिछोड़ ॥ घेरोसबनताहितिहि तिनपरकीन्हीमुष्टिप्रहार । गिरीभिरीउठिलड़ीमातुबल हारोसोसबकार ॥ दैउरपदपछारिबरजोरनलगीखवाव नमूर । पाहिक्षमापुनिकरीमातुममजानिअज्ञअघभूर ॥ शिरमुण्डनकराइताकोतबजीवदानदियोमात । सिंधुम- ध्यउपद्वीपवासकरुअबनहोबअज्ञात ॥ नामतरकतारक सुतसोसुनिगयोब्रह्माबरपाय । देविदयाशशिमौलिदियो तेहिनिर्गुणज्ञानगहाय ५९ ॥ आनामोहनीकापासगिरिजाम- हरानीके ॥ गिरिजासत्यसंदोहनी । शिवप्रतिज्ञामोहकेवश

चित्तसकुचोहनी ॥ मोहसोबहेत्रासुतासोप्रगटतियसो
हनी। जोरिकरकह्योकहाअज्ञानाममममोहनी ॥ इन्द्र
बरुणकुबेरकिन्नरसुरअसुरछोहनी। मोहमालासूत्रमेंमें
सकलकीपोहनी ॥ हैयहीअभिलाषअबतेहिहेतपायँन
परौं। एकबारमहेशजीकोमोहकेबशकरौं ॥ दशनअंगु
लिदाबिदेवीकह्योहैनाहिंसमै। पूजहीसबआशअबतूबि
ष्णुतनमेंरमै ॥ धोखिहौजोदेखियाकहँहोइबहुबलहियो।
बिष्णुमेंशशिमौलिताकहँलीनताकहँकियो ६० ॥ किरा
तबचन ॥ सुन्दरियहिबिपिनकहोंआईकेहिकारन। बस
तबिबिधबंचरजेमानुषसंहारन। गर्जैंकपिभालुभुजग
फुफुकेंफुफकारन॥ जबलगिजेहिआयुलिख्योबिधिक्रम
अनुसारन। तबलौंनहिंमरबलगेकोटिकोऊमारन ॥
कापैतुवचरणधरणिशोभाकीभारन। ऐसेबनबिषमकि
योकैसेपगधारन ॥ कैसहुकोउसोहैसहितशोभाशिंगार
न। शिरपरजबपरताफिरतकिंकरअनुहारन ॥ कहिये
निजनामनगरपुरजनपरिवारन। हैधौंपितुमातुकहांकी
जैउच्चारन ॥ गिरिजाममनामनगरहिमपुरजगतारन।
मैनाहिममातुपितात्रिभुवनभयहारन ॥ सुनतेंशशिमौ
लिउमावाणीसाधारन। किरतनभयोज्ञानपरेपायँबड़े
प्यारन ६१ राजसुतासुखशीलशिरोमणिकेहिकारणय
हिबनतुमआई ॥ नामकहाकेहिकीकन्यातुमकेहिपुरतेय
हिओरसिधाई। गजकेहरिकपिभालुभरेजहँबासकरौं
तहँसंतसहाई ॥ नामउमाहिमराजसुतामैंहिमनगरीमहँ
बसतसदाई। जेहितपकाजकियोकाननहमतासुकृपानि

भैयसबठाई ॥ योगियतीसंन्यासब्रतीमुनिकोउनइहाँ
आयोबरिआई । हैतीक्षणतपभूमिकठिनयहबालजती
तुमसहजसोहाई ॥ हैतूनितनिर्भयबिचरतवनगनतन
कालहुकीकठिनाई । हमतेबालविशेषभयातुरतदपिन
करमालिखीलरिकाई ॥ हौंजगदंबजगतजीवनतुमतेज
उदितआदितकीनाई। जानिपरोशशिमौलिहमैंअबहम
हितबासकियोयहिघाई ६२ ॥ प्रीतिबचन ॥ धनिवहुतेज
तमारिबिनन्दन। अलिक्कैजाइउडेहंभसनमुखलीनभयो
मनपदअरबिन्दन ॥ अलिलघुबैसकरनदीरघतपदंड
कवनजहैंत्रासंतपिन्दन । राजतराजकुवंरितिनतदपिहैं
जननीजेहिध्यायोसुरनन्दन ॥ हैहिमगिरिकन्याकहँयो
कातनपतिव्रतहितबैठीतपस्यन्दन। धीरधुरीश्रुतिचारि
चक्रपुनिधर्मध्वजायुतबुधिवाजिन्दन ॥ तुमसर्वज्ञसक
लउरबासीगातिनजासुजानैंयोगिन्दन । हैवहकौनकृपा
करिकहियेजोअदर्शशशिमौलिमुनिन्दन ६३ ॥ आना
तारकअसुरकावास्तेयुद्धके ॥ आकसमातमूलतरुटूटे। खग
मृगकोलकिरातबिकलसबगेजनुसर्वसलूटे ॥ परिगईन
भधूरिधराधरदिग्पालनउरकांप्यो। कोहैमाथजेहिजात
छलेखलशोरसकलजगब्याप्यो ॥ अबेक्षोहिणीदलद
बाइलियोबिपिनआठहूओरन । धायधरोतियतारकम
र्द्दनसहितकातबरजोरन॥ मंदेहगनदेबिदेखतकोउकहेउ
उचितबधनाहीं। बालवृद्धतियरोगीनरजोवहिमारेजन्म
नशाहीं ॥ सुनिकनसोयमदअंधदीर्घतबकहयोसबनल
लकारी।हतौवेगिबालाबालापुनिपितुममदीन्हनिसारी॥

सुनिसमकेसमूहसमरथखलखरभरभाचहुंतीरन । परशापरिघगदातोमरश्रसिबाणदृष्टिकियोबीरन ॥ लखिबांकुरीश्रकुटिजाकीनितकँपैकालमनमारे । तापरंशस्त्रप्रहारकरैंजड़जेइच्छातनधारे ॥ भैव्यतीतयुगयामजननिकहँशस्त्रगुफायहिभांती । सुरकिन्नरनशोरकीन्होपुनिभैश्रतिबिकलकिराती ॥ सुनतशोरबोलाभदंधतबवेगिसुभटसबधावो । हैसबहीप्रकारद्रोहीयहधरताबिलम्बनलावो ॥ बिधिसुरेशसनकादिसकलमिलिबिनैमनैमनकरहीं । श्रातुरहनैमातुइनहींश्रब हमसबश्रतिहीडरहीं ॥ भईप्रगटतबज्वालजनानिमुखश्रद्भुतश्रमलप्रचण्डा । जरेसकलसुरसन्तबिरोधीजेश्रतिप्रबलप्रचण्डा ॥ धूमधूम्रततक्षणभस्मासुर भस्मजनितउठिभागा । सुरशशिमौलिकरैंजैजैसब सहितउमगश्रनुरागा ६४ ॥ कामकाजानामहादेवजीकेपासश्रौररतिकोमनाकरना ॥

रतिबचन ॥ शिवसनकीजियेजनिरारि । देवतासबस्वारथीनिजलीजियेसोविचारि ॥ भवनभूमिभँडारभूषणवाजिगजरथझारि । पुण्यपरउपकारकेसमकछुनपरतनिहारि ॥ पुण्यपालनशीलस्वारथश्ररुजितेजोश्रारि । देहबिननहिंहोतएकौसोतुम्हेंनपियारि ॥ जीवजड़चेतनजहांलौंश्रंडकोशमँझारि । सदासबकोकीन्हवशमेंतूडरतकिमिनारि ॥ एकक्षणमेंसंहरतसबसृष्टिनैनउघारि । जीतनेतुमजातनिजबलत्रासतासुविचारि ॥ हैबचनतुवसत्यपरमैंगयोजोकहांहारि । प्राणहूंपरकाजदीजेकहतहैंश्रुतिचारि ॥ प्राणदीन्हेहोइकारजसोउजीतितुम्हारि । त

दपिमोहिंसंदेहकैसहुजागिहैनपुरारि॥देउरचिऋतुराज रचनामोहनीनिजडारि। तेहूपरजोजागिहैनाहिंबाणदेहौंमारि॥दीन्हरतिशशिमौलिअज्ञाकालप्रबलबिचारि। परमधामपठाइहैशिवडारिहैजोजारि ६५ ॥कामबचन॥ शिवशरणागतपालसदातूचिंतचिंताकितआनी। भाव कुभावअनखआलसजमुहातौनामबखानी। बुधिबिद्या कीरतिगतिमतिसबसिद्धिसुलभकरिमानी॥ कामीकुटिलकपटिकायरखलबचननमेंछलसानी। कीन्हतिन्हैंकृतकृत्यकरुणानिधिजेअघपुंजनिदानी॥ त्रिपुरादिकमतिमन्दमहाजड़जगजिनकीगतिजानी। तारितिन्हैंभवसागरतेप्रभुपठयोनिजअस्थानी॥ मैंतौसुरस्वारथकेकारणकरतनिछावरिप्रानी। यहिस्वारथकोलाहसुमुखितूपरमारथकरिसानी॥ देहौंजाइजगाइशिवहिजबताजिइरषाअज्ञानी। पैहौंपरमपदारथपदजोकोपकदाचितठानी॥ कोपकृपादृष्टीदोउहरकीसुरपुरकीसोपानी। तातेभजुशशिमौलिसदाशिवदीनअखिलकल्यानी ६६ ॥ जानाकामका शिवकेपास ॥ मदनधनुबाणगहेशिवयोगजगावनजात। पशुपक्षीनरनागसुरासुरउरउमंगउमड़ात॥ सरसरिताबनबागजहांलौंमदसातेदरशात। गिरिपरजाइरचीरचनाबहुशिवसोंकछुनबिसात॥ माराबाणहृदैताकितबहीबैठोछिपिद्रुमपात। खोलानैनचकितह्वैशंकरकेहिंकीन्हाउतपात॥ देखिपरामनसिजजेहिअबसरभस्मभयेसबगात। सुनिपतिगतिरतिजाइशरणमेंबांरबारबिलखात॥ लागिदयाबरदानदियोतेहिहोइहै

हरिकोतात। बिनाअंगब्यापैसबजीवनमानुहमारीबात॥ जनशशिमौलिनामयाकोअबहैअनंगाबिख्यात ६७॥ देवतनकीस्तुति॥ आयेदेवसकलकेहिकारन। सहमिसुखा इरहेसबकेमुखकीन्हमहाबिस्मयजनुधारन॥ तारकऽसुर भयोप्रकटमहाजड़कीन्हेसिदंडअनेकप्रकारन। सुरमुनि धेनुमहीभइब्याकुलतुमबिनकोकरैशोचनिवारन॥ बोले बिहँसिमहेश्वरतबहींजनिडरपौसुरकिन्नरचारन। करि हौंतोषतुम्हारोसबविधि कह्योयतननिजमतिअनुसार न॥ नाथसुवननवषटमुखहाथनरिपुबधब्रह्मकरतउच्चा रन। पारबतीपुनिकीन्हबड़ोतपकरियब्याहसुरबिपति बिदारन॥ किंचितउचितनहींयहमोकोपैअतिकठिनब चनतुवटारन। ऐसैहोइकह्योकरुणानिधिशिवशशिमौ लित्रिलोकउबारन ६८ जैअजअखिलेश्वरस्वामी। स र्बज्ञसदाशिवअन्तरयामी॥ वृत्रासुरअतिमतिहीना। मुनितापसएकनचीन्हा॥ सबलोगनबहुदुखदीन्हा। य हकुटिलमहाकपटीअरुकामी॥ प्रभुआतुरताहिसँहारो। पृथिवीकरभारउतारो॥ शरणागतलाजबिचारो। शशि मौलिकहैप्रणमासिनमामी ६९॥ आनासप्तऋषियोंका॥ हौ तुमकौनकरौतपभारीहमसनकहौकुमारी। यहिगंभीरघोर दुर्गमवनबिकटमहाभैकारी। ताबिचबसतिडरातनकाहू कोमलबैसतुम्हारी॥ रजकंकरकुशकंटकठिनक्षितिआ तपबारिबयारी। सोसबसहतअकेलिरहतानितजहँअग णितबनचारी॥ जानिपरोजेहिनगरबसातितुमतहँनबस तनरनारी। जोपुनिबसतिहोइहैंगेअतिजड़पीरनजान

परारी ॥ केसेहैंवेमातपितादोउजिनयहनीतिबिचारी । लागतदेखिदयामेरेमनहैसपनोनचिन्हारी ॥ काहूबिधि वनयोगनहींतुमकर्मनकीगतिन्यारी । हंसकिशोरिकिडा वरलायककमलकिकुंतमैंभारी ॥ लक्षितभयोभेदअब हमकोप्रबलप्रतापनिहारी । मूरतिवंतितपस्याहौतुमक न्याकीअनुहारी ॥ कीधौंआदिशक्तिसरगुणकैलीला काजसिधारी । वेगिकहौशशिमौलिकथानिजश्रीमुख राजदुलारी ७० मुनिबरमनसंदेहहमारी । शिवअवगु णजेजेतुमभाषेतेतेहरउरधारी ॥ योगीजटिलअकामातु रशिवतुमजोकहतपुकारी । नरनारायणरामऋषभहरि सोइकीरतिबिस्तारी ॥ क्रोधीकृपणकुवेषबिरागीश्रुति मारगसोंन्यारी । परशुरामबामनशूकरध्रुवबोधबिदित जगसारी ॥ अगिनिमहीजलपवनगगनमहँबिचरतत्रा सबिसारी । यज्ञपुरुषपृथुमीनहंससोइसनकादिकअधि कारी ॥ सिखतासिखावतपढ़तपढ़ावतपैकठोरताधारी । दत्तत्रैधन्वँतरिकपिलपुनिब्यासकमठअवतारी ॥ मारण उच्चाटनअरुमोहननिरदैयुद्धकरारी । नरहरिकृष्णमोह नीकलकीसोहयग्रीवनिहारी ॥ उतरनआवैउमाबचन नकोमुनिमनहींमनहारी । प्रेमपुलकिशशिमौलिभरेदृग मातुचरणबलिहारी ७१ आंखिनकोशोचहहरैंगेकबधौं पुरारी॥मासअषाढ़सदासहशील।छायेगगनघटानवनी ल॥नृत्यतमोरनिरखिछबितौन। शंभुकृपाकरिहैंदिनकौ न॥क्षमैंगेचूकहमारी १ सावनजलबूंदनझरिलाग।जागे जलजीवनकेभाग ॥ हरषिहिंडोलनझूलैंबाम । मोहिं

मिलिहैंकबचंद्रललाम ॥ तिहूंपुरआनँदकारी २ भादौं नभघनघोरघमण्ड । भैबरषाबौछारअखंड ॥ दादुरजल सेवैंसुखपाय । मैंदेखिहौंचरणनकबजाय ॥ हरणपूरुब दुखभारी ३ क्वारकमलफूलेसरनीर । लागबहैशशिमौलिसमीर ॥ भईअकाशगिरागम्भीर । जाहुउमाजननीकेतीर ॥ सुफलभइआशातिहारी ४ । ७२ ॥ मलार ॥ छायेगगनबादलश्याम । ऐसहीशिरजटाशिवकेसकलजगबिश्राम ॥ दामिनीद्युतिदुरतउघरतअमलआठौयाम । शंभुकेमुस्कातयोहींदशनद्युतिअभिराम ॥ बोलैंदादुरमोरझिल्लीबचनमंगलग्राम । याहिभांतिनरटतकैहैंशंभुगणशिवनाम ॥ देखिपरतअकाशऊपरधनुषरेखललाम । भृकुटिबंकमहेशजीकीयाहिबिधिप्रदकाम ॥ ब्योमपरबकपांतिसोहैमनोमुकतादाम । मुंडमालबिशालहरउरऐसहीशुभधाम ॥ ध्यानमेंशशिमौलियाबिधिउमापूरणकाम । देहिंऐसीशरणजेतजिताहिबिधनाबाम ७३ ॥ जानामहादेवजीकापार्वतीजीकेपास ॥ द्विजरूपकैशिवगये । जहँमगनगिरिजागूढ़गतित्रयनैननयननतये ॥ करिप्रथमभिक्षायाचनायहिभांतिभाषतभये । कमलाक्षीनृपकन्यकाकेहिकाजगृहतजिदये ॥ सुकुमारिसुन्दरअंगतुवजिमिकमलकोमलनये । हिमशैलवनकीबिंषमताकिमिसहजहीसहिलये ॥ हँसिमनहिंमनकहयोउमातबतुमयाचकीढ़ातिभये । शशिमौलिबूझबउचितनहिंदातव्यकृतअर्थये ७४ पथिकतुमकिंघेतेआये । केहिपठयोअरुकाकेआयेकासँदेशलाये ॥ यहिबनअगम

नगमिकाहूकीसुरशंकाखाये । करिकुरंगकपिभालुभुअं
गमसिंहफिरैंधाये ॥ मैंशंकरअनुरागबिबशह्वैसुधिबुधि
बिसराये । शिवसेवकनाफिरौंढूंढ़तजेगृहतजिबनछाये ॥
सुनिशंकरकेबैनबिमलबरबारिदृगनताये । मेरेजानदि
गंबरतुमहींद्विजह्वैदरशाये ॥ जोयाबिधिबिश्वासतुम्हा
रेतौमोमनभाये। अबशशिमौलियहीतुमजानोजनुदरश
नपाये७५ द्विजतपसीमैंपरमभिखारी । मांगतभीखयही
जोपावौंकहियकथानिजबचनबिचारी॥ यदपियाचकन
होतउचितनाहिंदातासोंचरचाअधिकारी। तदपिमृदुल
तनतपबिलोकियहआपनपौमैंदीन्हबिसारी ॥ बोलीमा
तुमगनशंकरछबिक्षितिशिरनाइदृगनभरिबारी । गिरि
कन्यालघुबैसबहुरितियकेहिगिनतीतपमाहँहमारी॥ना
रिचरितजहँऔरसकलबिधिहठहुतहांतुमलेहुविचारी।
सोइहठयहआहिनतपकछुचाहतशिवदासीपदभारी ॥
दुराराध्यनिर्व्याधिसदाशिव मिलतनयोगिनयोगमँभा
री। आगमनिगमबिदितवेदहिजेतासुदरशचहैंहमजड़
नारी॥ जानतयहकठिनताताहुपैरहतनमनसंतोषसँभा
री । सबबिधिनिजस्वारथकीसंगिनिहठमूरतिबिधितर
हिसँवारी ॥ याहीतेनहिंकहतकथानिजसुनतहँसैंकहैंनि
पटगँवारी । तुमशुचिशीलकृपामंदिरद्विजकरियक्षमास
बअविनयसारी॥ गुणगरुताधनधामबसनमणिकाहूकी
इच्छानहमारी । दीजैसोइबरदानदयाकरिजेहिशशिमौ
लिमिलैंत्रिपुरारी७६ लखिशिवगिरिसुतातपमहा। सुनि
विनैपुनिमधुरबाणीदृगनसोंजलबहा॥ प्रेमवशसुधिसक

लभूलीधीरज्योंत्योंगहा।द्वैमगनमनपुलकितनपुनिवच
नयाबिधिकहा॥मैंअकिंचनदीनभिक्षुकजन्मभरिश्रमस
हा। होतजोबरदेनलायकक्योंननिजदुखदहा। ऐसही
गुणगुप्तराखैंज्ञानगतिजिनलहा। हौबड़ेशशिमौलिस
मरथतापसीतुममहा ७७ हौतुमनहींभिखारी। आयेकृ
पाकरनकेकारणदीननकेहितकारी॥चिताभूमिसमकठि
नबिपिनयहसहजभयावनभारी। सुरकिन्नरनअगमता
महँतुमबिचरतइच्छाचारी॥कीशिवकेसान्निधिबासिनमें
कीशिवकेअवतारी। काहूभांतिझूठनहिंहोइहैनिश्चयस
त्यहमारी॥ कहँईश्वरकहँदीनअकिंचनअसकसकहौकु
मारी। उनकेतपबलसोंबिशेषिमैंआयोंबिपिनमँझारी॥
रहतअधीरसदामेरोमनजबलगिबिलगपुरारी। भयोस
धीरअवलोकितुम्हैंसो यहअचरजअधिकारी ॥ जो
चाहौसोहोउसकलबिधिमेरेपैउपकारी। देहुवेगिबरदा
नदयाकरिशंकरभक्तिपियारी॥ मनहींमनमुसक्यायशं
भुतबमृदुबाणीउच्चारी। काहूभांतिनबरलायकमैंमनमहँ
लेहुबिचारी॥ हैपरंतुबिश्वासजोतुमकोतेहिबलकहतपु
कारी। पूजैंशिवशशिमौलिमहाप्रभुमनकामनातुम्हारी
७८ बिदाह्वैशंभुगयेकैलास। बारबारसुमिरतकरुणानि
धिगिरिजाकोबरबास॥ प्रियपरिजनपुरजनापितुमातास
बबिधिसुखदसुपास । मेरेकाजत्यागिसोतृणसमसहे
बिषमतनत्रास ॥ पंचवर्षबैबालसखिनसँगबालाबिनोद
प्रहास।सोकियोगजपतपसंयमकैतजिसुखसदनानिवास
ब्यंजनबिबिधजासुभोजनहितधरेमधुरतारास। सोत

जिकंदमूलफलहूकोकरैकठिनउपबास ॥ पैपायसपकवानपूपदधिजेहिंजेऊरनिवास । बेलपत्रअरुशाकउचिततेहिभोजनबारिबितास ॥ ऐसेकहतव्यापिगयोमनमेंपूरबकोइतिहास।देखोंमैंउपचारनारिसोभयोअदोषउदास ॥ जाकोनामसहजसुमिरणकरहोतअवज्ञानास।पतिप्रतिकूलहोइसोसपन्योमोहिंनहींबिश्वास ॥ सियस्वरूपधरिलैइकितियकोउबदतवेदबिधिब्यास । यहअनन्यगतिगूढ़गिराकछुअलखितदेहाभ्यास ॥मेरेजानदोऊसम्मतकरिकीन्हसुचरितप्रकास।रसबियोगशृंगारसुकौतुकलीलाललिताबिलास ॥ अबशशिमौलियहीइच्छाममकहिकहिलेतउसास।कबहुंसुशक्तिशक्तिलीलायहआवैनमेरेपास७९॥निमंत्रणबिवाहका॥हमहैंहिमनगरीकेनेगी।सुताब्याहमिसदीन्हनिमंत्रणचलोतासुहितबेगी ॥ उदयअस्तअरुऋष्यमूकपुनिविंध्याचलचलिआयो। गिरिमैनाकत्रिकूटकामतागोबर्द्धनसुनिधायो॥ अपरशैललघुदीर्घजहांलौंसहकुटुंबपगधारे । बनीनहींबिनमेरुकह्योहिमवेशिरमौरहमारे॥नारदवचनसुताप्रणशिवहितमोहिंखबरिजबआई । महाकठिनसंयोगजानिजियअबलगिव्याकुलताई॥आजकहामैंदेहुंतुम्हेंजोयहसंदेशसुनायो। हिमसमानकहौकौनसदाशिवजेहिजामातृकहायो॥शिरभरजाउँउचितमोकोअबअसकहितुरतसिधायो । काहिनजाइशशिमौलिबड़ाईनेगिनजोकछुपायो ८० जातचलेगिरिजहिशिवव्याहन। विविधबरातबनीबहुबिधिसोंहोइँशकुनमगउमगउछाहन ॥ हंसचढ़ेबिधिविष्णुगरुड़पु

निइंद्रचढ़ेऐरावतबाहन । तिनमहँबैलचढ़ेशिवयोगीपु
रबनितालखिलागिसराहन ॥ देखसखीबरकीसुंदरता
जनुबिरच्योबिधिनहिंनिजबाहन । देखिपरतदुलहीन
हिंजगमेंजैसेयेत्रिभुवनचितचाहन ॥ सुनिमुसकाहिंमहे
शमनहिंमनदीनानाथदुखीदुखदाहन । जनशशिमौलि
बुरोनहिंमानैंसमदरशीसबजगतनिबाहन ८१ ब्रह्मअ
द्वयवेदजिन्हैंगावै। जातब्याहैसोईशंभुगिरिनंदनिहिगा
इजसजीउजेहिभक्तिपावै ॥ सोहैंशिरपरजटाजूटअहि
मौरछबिकानकुंडलउभयव्यालराजै । नागउपवीतहिय
कंठविषचिह्नकटिमेखलामध्यअहिअमितभ्राजै॥ पाणि
कंकणलसैलघुनभुजगेंद्रकेचरणनघूघुनसरपाक्षपोढ़े ।
शूलडमरूलिये भस्मधारणकिये चढ़ेबरबैलगजखाल
ओढ़े ॥ देखिशृंगारयहईशकोदेवकरैंहँसिबादबोलैंसु
बानी । जक्कदूलहीनदूलहकेलायककहूँधन्यजगजन्म
जोहोतरानी ॥ सुरनकोबोलिहँसिकह्योतबविष्णुकैजाहु
सबबिलगलैलैसमाजै । अनुहारिबरकेबरातीनहींदेखि
यतहँसहिंपुरलोगसुनिसकललाजै ॥ देवमुसुकानसुनि
बैनहरिकेसबैवृंदनिजजनलैलैसिधारे । हँसैंमनहींमनै
शंभुहरिसोंकहैंभलेकौतुकीसंगीहमारे ॥ प्रेरिभृंगीबुला
योसखायूथसबआईभूतादिकनकीजमाती । कहैंशशि
मौलिमगहोहिंकौतुकमहाजैसबरबन्योतैसेबराती ८२
शंकरकीभलिबनीबरात। भूतप्रेतबैतालबिबिधबिधिअ
रुयोगिनीजमात ॥ कोउपशुमुखएकमुखअनेकमुखमुख
सोंकोउहकलात । यकशिरदोशिरतीनशिरबहुशिराशिर

बिनकोउसमुहात ॥ बहुरसनारसनाविहीनकोउदुइरस
नासोंखात । रसनामुखबाहरकाहूकेदेखिसबैसकुचात ॥
कोउयकदृगबहुदृगात्रिकोणदृगकोउदृगबिनदिखरात ।
कोऊलूलद्रष्टाअद्रष्टकोउकाकदृष्टिदरशात ॥ हृष्टपुष्टभ्र
ष्टांगबक्रकोउकाहूकृशकीगात । लंबोदरकोउउदरखला
येकोउबिनउदरलखात ॥ गजपदकोउयकपदअनेकपद
पदसोंकोउलँगरात । धावतउड़तउलंघतकूदतलोटतम
हिकोउजात । देखतअशुभवेषभूलौंजनिमहिमामेंअधि
कात ॥ हैंशशिमौलिपियारेशिवकेइनसमकौनसुजात
८३ निरतैंभूतगणचहुँओर । कोउबजावतकोऊगावत
कोउमचावतशोर ॥ सद्यशोणितभरेतनमहँयोगिनीलि
यसाथ । भसमअंगभुजंगभूषणमुंडलीन्हेहाथ ॥ महि
षश्वानशृगालकेहरिधरेरूपअनेक । देखिबेकोबिकटमू
रतिसदाशिवपदटेक ॥ सुरनहूतेअधिकमहिमाकहतहैं
श्रुतिशेष । रीझिबेहितशंभुकेअदभुतबनायेवेष ॥ हेरि
हासबिलासतिनकोदेवतामुसुकात । बनोबरशशिमौलि
जैसोताहिभांतिबरात ८४ बाजभुवंगमभूषणभृंगी । सु
निधुनिधायेभूतभयंकरयेछबिअड़बंगी ॥ खगमृगमनु
जरूपकीन्हेकोउकाहूवेषभुजंगी । वृकबाराहव्याघ्रबेसर
वृषधरेदेहबहुरंगी ॥ आइनाइशिरशंभुचरणरजताजि
स्वभावचितभंगी । लगेकरनकौतुकनानाविधिनाचस्वां
गसर्वंगी ॥ कोउमृदंगडफढोलबजावतकोउश्रृंगीसारं
गी । गावतसजेस्वांगसबहीविधिगतिथेईथेइथंगी ॥ मु
सुकानेकिन्नरकोविदबिधिलखिबरातयहनंगी॥धनिशशि

मौलितपस्याउनकीजेशिवकेसतसंगी ८५ शंभुबरा
तनगरनियरानी। जाउबेगिसबसजिअगवानी ॥ पहि
रेपटभूषणभांतिनबहुबालकसबसुनिहिमगिरिवानी। क
रिदियोभेंटसंगपुनितिनके मणिअभरणखगमृगअस्था
नी ॥ बाजेंशंखपणवदुंदुभिनभैहैंगैभीरनजाइबखानी।
होहिंशकुनसुन्दरसबही विधि जातचलेअतिहीसुखमा
नी॥ चर्चितचारुसुगंधनसोंशुचिबीथिनबहुशोभासरसा
नी।नूतनदिव्यदूरबाढ़उदिशिसुमनझाड़इतउतलहका
नी ॥गेजबनिकटलख्योसुरवृंदनाशिवमर्यादासबनबखा
नी। किन्नरनागवरुणचारणगणगंधर्वनकीसैनसयानी॥
शनीशुक्रअरुसकलऊड़गण ग्रहरबिशशिकीछबिसबन
सुहानीं।निजप्रतिबिंबराखिनिजलोकनआयेशिवसँगहि
मरजधानी ॥ आदितयक्षकुवेरमिलेपुनिमुनितापसयो
गीविज्ञानी।तापीछेऐरापतिऊपरसुरपतिआवतसबहुन
जानी ॥ बूझतबालअयानबड़नसोंदूरिकेतेहदूलहसु
खदानी । याबिधिसंगबरातीजाकेसोकिमिहोइमह्याछ
बिखानी॥ हंसअरूढ़लख्योविधिकोजबसबलरिकनजो
रयोयुगपानी । हैयाहीबरबुधिविद्याधरसुनतबरातसक
लमुसुकानी ॥ खगपतिपृष्ठिरमापतिकोलखिलरिकनरा
रितहाँतबठानी । अबहयाँसोंहमजाइँकहूँनहिंशंभुयही
जेहिध्यावतध्यानी ॥ बोलेविष्णुसुनोबालकसबहमतो
न्योतहरीसबप्रानी । हरछबिबरसंगीवरबाहनदेखतही
सबकेमनमानी॥ ऐसहिकहतपरोखरभरतबधूरिगगनमं
डलमड़रानी। प्रेतनदेखिभगेबालकसबसुनिशशिमौलि

उमाहरषानी ८६ शंकरत्रयतापहरनअसरनशिरछत्रध
रनपतितनपावित्रकरनइतरनअघशमनहै। जगमगज
गजासुअंशध्यावैसुरकरिप्रशंस वृषपतिचंद्रावतंसत्रि
भुवनदुखदमनहै॥गंगाजेहिजटाजूटपापिनकरपापछूटदे
वनहितकालकूटकीन्होआचमनहै। सोईशशिमौलि
स्वामिशोभासुखसुकृतिधाम आयोहिमवन्तग्रामगिरि
जाकोरमनहै ८७ शिवकहँलेनचलेअगवानी। नूतनप
टपहिरोपुरलोगनछविनाहिंजातबखानी॥ बहुबाहनबा
जंत्रबजैंबहुहोइसगुनशुभखानी। पहुंचेजाइबरातनिक
टसबभेटालियेमनमानी॥ इंद्रविरंचिबिष्णुसंगिनलखि
शिशुमंडलीलुभानी। शंभुसमाजविलोक्योजबहींमुख
द्युतिसहमिसुखानी॥ चौंकिचितैगजबाजिचकितचित
भागेभयउरआनी। रहेसयानठाढ़धरिधीरजबालकसै
नपरानी॥ कंपितगातगयेघरघरसबमुखआवतनहिंबा
नी।समुझावतपितुमातुसबनकहँपूछतिगतिगहिपानी॥
वृषभअरूढ़कपालव्यालधरभस्मअंगलपिटानी।योगी
जटिलनगिननिरलज्जाबरबाउरअज्ञानी॥ भीरभूतबै
तालनकीबहुताकेसँगसमुहानी। ऐसिबरातसुनीनाहिंदे
खीयमसैनासकुचानी॥रहीजियतजोदेखिबरातिनपुण्य
बड़ीहमजानी। हमरेजानआजुहिमनगरीसबकीआयु
तुलानी॥ मुसुकानेपितुमातुसुनतयहकीन्हाशिशुनभय
हानी। हैंशशिमौलिसदासबलायकशंकरअवघड़दानी
८८ हिमगिरिपवरिप्रशंसालायक। द्वारचारहितहैंठाढ़े
जहँजगदीश्वरजगमंगलदायक॥वृषभअरूढ़कपालशू

लधरगंगाधरसुरसिद्धसहायक । विषधरभूषणशीशसु
धाधरनयनतीनित्रिभुवनमनभायक ॥ सगणइंद्रबिधि
बिष्णुबरातीभूतादिकशंकरप्रियनायक । सुरसरितावन
शैलजहांलौंजनवातीश्रानँदउपजायक ॥ बरषिसुमन
सुरदेहिंदुंदुभीगावैंगुणीनृतैंनिरतायक । धनिशशिमौ
लिउमाशंकरद्वउधनिमैनाधनिहिमगिरिनायक ८९ बं
दनवारबँधेहिसद्वारे। ध्वजापताकपोहिमाणिकमणिकारि
बहुयतनसवँरि ॥ पद्मरागफूलनसंयुतशुचिसोहैसुरनके
बारे। मृदुमंगलमर्य्यादहेदहरीजेहिसबसुरनजुहारे ॥ ता
सुवामदक्षिणदिशिदिगमगादिव्यदीपकनबारे। कंचनक
लशभरेगंगाजलसखियांशिरनसँभारे ॥ पानफूलदधि
दूबरोचनाभरेसूवरणथारे । धरेमुनींदनिकटनानाबिधि
बस्तुश्रनेकप्रकारे ॥ सुरप्रतिमावरबिमलवेदिकाश्राचा
रजनसँवारे ९० मैनाश्रारतिकरनसिधारी । प्रज्वलित
करिकरपूरसुगंधितसजिसुबरणकीथारी ॥ संगसखीसौं
भाग्यवतीसबपहिरेनूतनसारी । मंगलगानकरतश्रति
छबिसोंजयगिरिजात्रिपुरारी ॥ छोंड़िदईफुफुकारसमय
तेहिव्यालमहाभयकारी। कैसभीतभागींसबसखियांवि
कलभईमहतारी ॥ कोउशोचतकोउमौनमहादुखकाहू
दृगनबहीवारी । हाहाकारपरचोतेहिश्रवसरसबरनिवा
सदुखारी ॥ मातातबलियोबोलिउमाकहँकहतिगोदबै
ठारी । जेहिबिधनाविरच्योममकन्यहिबरकसरच्योवि
चारी ॥ जेफलउचितदेवद्रुमडारनलगतबबूरसभारी।
कहँममराजसुतासुंदरशुचिकहँबरनिलजाभिखारी ॥ का

नसाइडारोमैंमुनिकरबसतजोमोहिंउजारी। सांचौमाया मोहनजाकोसबहीकरअपकारी ॥ गिरितेगिरौंजरौंबूड़ौं जलकन्यारहैकुमारी। जियतनब्याहकरौंकाहूबिधिहोइ अयशचहैभारी ॥ ऋषिनारदआयेतेहिअवसरवाणीम धुरउचारी। गिरिजाशिवसंयोगसनातनबदतवेदमुनि भारी ॥ जगदीश्वरिजगदंबजक्तप्रियसबकीसिरजनहा री। लीलाकरनकाजसगुणह्वैभइसुकुमारितुम्हारी ॥ पूर बजन्मरूपसियकोधरिदक्षभवनतनजारी। सोइशशिमौ लिप्रकटितुम्हरेगृहयहलीलाविस्तारी ९१ ॥ नारदवचन॥ मनमेंधीरधरौसबकोई। गिरिजाशिवसंयोगसनातनमा तुपिताजगजोई। पूरबकछुलीलाकेकारणसीतारूपधरो ई ॥ पतिहितलागिजरीपितुकेमखतुवगृहप्रकटीसोई। भरोविलासताकेत्रिभुवनकोथितिपालनलैहोई ॥ लीलां हीकेकाजसगुणह्वैब्याहउछाहरचोई। एकभावयकरूप एकगातिदेखतहीकेदोई ॥ हिमकैलासप्रकटयाहीतेसुमि रतरैजेहिलोई। ह्वैनिश्चिंतरच्योरचनानिजसंशयडारो खोई ॥ शिवशशिमौलिसदागिरिजाप्रियप्रीतिपुरातन गोई ९२ चरितसुनिशंकरकेमैंना। धीरनधरतकरतअ तिहीभयभरिआयेनैना ॥ यहपुत्रीपूतरिअँखियनसीपा ल्योदिनरैना। ताहिदईदीन्ह्योबरबाउरमेटयोचितचैना॥ कहँयहकमलमुखीममकन्याकोकिलसीबैना। कहँयेशै लपतीसँगजाकेभूतनकीसैना ॥ तोष्योतबशशिमौलिम हामुनिकीजैकछुभैना। यातेअरुशिवसोंकाहूबिधिदूस रिगतिहैना ९३ ॥ गिरिजावचन ॥ सबकरकर्महीपरधान।

गुप्ततेभयोप्रकटजोकछुकर्मपथदरशान ॥ कीन्हजोनर पक्षइच्छाकर्मतीक्षणलागि । एकतेसोअनेकह्वैगयोकर्म केअनुरागि ॥ कर्मतेमहत्तत्त्वतासोंप्रकटआहंकार । त्रि गुणकेवशकरमहीतेरुद्रबिधिकरतार ॥ कर्महीसोंतत्त्वपां चौदशोइंद्रियद्वार । देवतादशकर्महीसोंभयोविराटमभ्का र ॥ कर्मतेब्रह्मांडयहअरुइसीतेभयोजीव । कर्महीसोंक लाबिकलाअंशआतमसीव ॥ अमलमेंऔदुःखदोषित अनखअघबहुवेख । कर्महीसोंहँसतसबकेशुभाशुभके देख ॥ सत्यभूठप्रशंसनिंदाकर्मकेअनुसार । देवदनुज लिलारसबकेकर्महीकोभार ॥ कर्महीकेबिबशजोजेहियो निदेहअरुऐन । वेदमगमीमानसासोइप्रकटजिनमेंबैन ॥ दोषकाहुनदेउतातेमातुममहितपाइ । कर्ममेंशशिमौलि जोममसोकिघटिबढ़िजाइ ९४ भईमैंशंभुकीदासी । जियजनिशोचकरैकछुमातामुदमंगलरासी ॥ भस्मक पालकथासुनिसुनिसबलोगकरैंहासी । करुणाशील क्षमाछबिकोनिधिसबबिधिकैलासी । काजानैशंकरकीम हिमाहिमागिरिकेवासी ॥ दूषणरहितव्यालभूषणशिव अव्ययअबिनासी । जरतसुरनकियोपानविषमाबिषसु धामधुरतासी ॥ शंकरसरिसकहौत्रिभुवनमेंकोबुधिबल रासी । कोटिकरैजपयोगयतनबहुभजैनपतिकासी । क हैशशिमौलिकटैकबहूंनहिंतृष्णाकीफाँसी ९५ ॥ शैलप तिकीदासीभईमैं । राजपाटसोंकाजनमोकोसंन्यासीसँग वासीभईमैं ॥ अबकाहेकोमोहकरौतुमनिजकुलकीउपहा सीभईमैं । शिवशशिमौलिरमापतिकेममचरणसेवकम

लासीभईमें ९६ ॥ बसेरीमनमेरेमाईमरदनमैन । कीन्ह
यदपिजपयोगयतनबहुतदपिनहींचितचैन ॥ जिज्ञासू
यज्ञनजारोतनजलशायीजलशैन । सपनेमाहँमिलैंनति
न्हैंशिवसुखशोभाकेऐन । ब्रह्माजाकोपारनपावतगुणगा
वतदिनरैन॥ सोकिमिसुगमअगमगोचरज्योंकहतनिग
मनिजबैन । साँचीसप्तऋषिनकीवाणीमनबांछितसुखदै
न ॥ पैशशिमौलिदरशदेखेबिनअँखियांधीरधरैंन ९७॥
पूजनयोग्यउमामाईरी । आदिमहाविद्यामूरतिजनुशैल
भवनभैअस्थाईरी ॥ जगमगज्योतिज्वालशतकोटिन
कोटिछटाकरिछबिछाईरी । हरतकोटिमुसक्यानिमनोहर
रबिशतकोटिप्रभापाईरी ॥ बिक्रमकोटिमारकंडेमुनि
कोटिनबिधिबुधिनिपुणाईरी । ज्ञानगणेशकोटिकोटिनस
मकोटिमदनसुंदरताईरी ॥ कोटिनशुक्रसजीवनदातासु
रगुरुकोटिनचतुराईरी । सुरपतिकोटिराजचिह्नयुत
कोटिनिगमगुणगरुआईरी ॥ धारणशक्तिधराधरकोटि
नकोटिधनदसुखसरसाईरी । कश्यपकोटिकोटिस्वायंभ
समसृष्टिरचनबिधिप्रकटाईरी ॥ देखिसुताअनुहारिठी
कतुवजनिजानैहिमकीजाईरी । हैशाशिमौलिपरेपरमेश्व
रिमनबचकर्मकरुसेवकाईरी ९८ ॥ तेरीगतिअगमअ
पारभवानी । हारेश्रुतीसिद्धांतसराहतथकितभयेकबि
कोविदबानी ॥ कैसोउकोउपापीअपराधीकामीकुटिल
अबुधिअभिमानी । एकैकोरकृपाकेहेरेह्वैगयोसिद्धबिर
तिविज्ञानी ॥ जगसिरजनिजगपालनहारीजगनाशनि
तोहिंश्रुतिनबखानी । करिशशिमौलिहृदयनिजआश्रम

सहितमहेश्वरहेमहरानी ९९ ॥ तूसमकोसमरथमहरा-
नी । बरदायनपरगतिपारायनशीलकृपाकीखानी ॥ ए
कौबातबनैकहुँधोखेदृढ़करिउरनिजआनी । सोफिरिको
टिकरैकेतनौअघतेहितिनकोनाहिंमानी ॥ जहँजहँगाढ़
परोदासनकोसकुचौअवसरजानी।कीन्हसहायततक्षण
ताकीहरीसकलगिल्यानी ॥ असजियजानिजपैनहिंजो
जड़तासोंकोअज्ञानी । जनपालनपोषनपरितोषनमहि
मावेदबखानी ॥ पूरिरह्योब्रह्मांडसुयशतवधर्मध्वजाफ
हरानी । बसौसदाशशिमौलिहृदयाबिचसाहितमहेशभ
वानी १०० गयेजबशिवमणिमयमाड़ौतर । देख्योता
हिमहाअभरणयुतहै बिरचोजनु बिसुकरमाकर ॥ म
हारजतकेखंभबिराजैं मुक्ताहलतोरणछबिछाजैंमानिक
दीपप्रभाबहुसाजैंसुवरणतारपत्रनछायोवर । बोलेशं
भुसुनो हिमराजाबड़द्रव्यतुममाड़ौसाजा आगे जेकरि
हैंयहकाजाकहँपैहैंइतनीसंपतिनर ॥ तातेममबचननम
नलावोकुशबाँसनसेमाड़ौछावो द्रुमकदलीकेखम्भगड़ा
वोतोरणपत्ररसालमनोहर । प्रणतपालकेबचनसुहाये
सुरनरमुनिसबहिनमनभाये गिरिहिमवानचरणशिरना
येसोइकीन्ह्योअज्ञाजोकह्योहर १०१ गेकैलासमहे
श्वरधावन । जाइकह्योकदलीरसालसोंआयेतुम्हैंहम
वेगिबुलावन॥सुनिधायेआयेशरणागतबोलेबचनबिनी
तसुहावन । जेतनभंगहोइहैंहमजड़कोजोप्रभुकेकारज
कछुआवन॥ हैपरन्तुअसमंजसप्रभुयहुजबऐहैकलिका
लअपावन । तबबिनकाजकाटिहैंहमकहँनरमनिहैंनाहिं

वेदसिखावन ॥ प्रथमछेवमेरेमाथेपरदूसरहरनिजशीश चढ़ावन । तीसरछेवबिरंचिधरैशिरजोकुठारबिनकाज चलावन ॥ सुनिशिरनाइबनेमाड़ौबिचकोउडीवाटिकोउ खंभसेरावन । कोशशिमौलिसदाशिवकेसमदीनानाथ प्रणतदुखदावन १०२शिवशोभानाहिंजातिकहीरी । मा थेमौरजटाजूटनकोचन्द्रछटाछबिछायरहीरी ॥ कुंडलश्र वसोहैसर्पनकेदृगसमतामृगमीनलहीरी । चितवनिचा रुचितैचिंताहरिचितकीसबसंदेहदहीरी ॥ बाँकीभृकुटि भालभस्मांकितसुरसरिताशिरसोहिरहीरी । नासाकीर कमलमुखमंजुलमाधुरताअधरनउमहीरी ॥ दाड़िमद शनहसनिहुलसनिहियचुंबकचारुचिबुकबिरहीरी । का लकूटकलकण्ठस्वइच्छितनरशिरमालहृदयउलहीरी ॥ करकोमलभुजदंडमनोहरनाभितौनगंभीरगहीरी । क टिकिंकिणिकोपीनभुवंगमरतिपतिहितपदनेहनहीरी ॥ वृषबाहनबाघम्बरभूषणभूतसखासंगातिनिबहीरी । शृं गशूलफरसापिनाकतेरहतसहाइसदासबहीरी ॥ सोहि रहीनखतेशिखलौंसबजोआभाजेहिअंगचहीरी । हैश शिमौलिजनकजननीद्वउदूलहशंभुउमादुलहीरी १०३ शंकरछबिनाहिंजातिकहीरी । बिकटवेषपहिलेहीआली अबजनुकामकलाउमहीरी ॥ कोटिकलंकरहितरजनीप तिद्युतिअमोलउपमाउलहीरी । धनिगिरिजाजेहिचषन चकोरनदरशलालसालागिरहीरी ॥ चिताभस्मतनगौर बिशदबरअतिसुन्दरताआनिगहीरी । जनुस्वरूपशृं गारकियेनिजराजिरहयेधरिदेहसहीरी ॥ कालकूटकृत

कंठसोइच्छितपरमरम्यनिरनैनिबहीरी। मनोमुकुरसंपु
टकियअंतरनवलनीलमणिकांतिठहीरी॥ धनिहिमगि
रिमैनाधन्निपुरजनधनिह्याँकेबनबागमहीरी। शिवस्व
रूपशशिमौलिअगोचरसोप्रत्यक्षदेखोसबहीरी १०४॥
व्याह॥ हिममण्डपतरशिवगौरीबिराजतछबिसोंयकठौ
री। इतअहिमौरमनोहरमाथेउतमणिमयमौरी॥ मन
सिजशेषलज्योलज्जाबशरतिकीमतिबौरी। सोहैंसजे
शृंगाररसहेलीगौरीऔसौरी॥ छबिसोंछत्रब्यजनकोउ
धारेकोउलीन्हेचौरी। कन्यादानदियोमैनाहिमहोनल
गींभौंरी॥बजेशंखशशिमौलिदेवपुरदेवनकीपौरी १०५
शिवसर्वज्ञसनातनस्वामी। अलखअगोचरअंतर्य्या
मी॥ अरुजअकामअनघअबिकारा। प्रकृतप्रपंचपरे
व्यवहारा॥मनचितप्राणइंद्रिजितजोई। गिरिजैजातबि
वाहनसोई॥ जगमगज्योतिजगैजगजाके। लाजैद्युति
रबिशशिछबिलाके॥ देखिझलकझपकेमुनिनैना।
आरतितासुउतारतमैना॥ जासुदरशदुर्लभजगमाहीं।
ध्यानौंमेंकोउपावतनाहीं॥बिबिधयतनयोगिनउरभ्राजें।
गिरिमाड़ौंतरसोप्रभुराजें॥ यमकुबेरकिन्नरगंधर्बा। सु
रनरनागचराचरसर्बा॥ सबसोंआपनचरणपुजावैं।
सोगणेशपूजाल्लौलावैं॥ सँहरणशक्तिकालजहँपावै। पा
लनशक्तिबिष्णुपुनिलावै॥ रचनशक्तिजासोंबिधिलेवैं।
कन्यादानतुहिनतेहिदेवैं॥ परशुपाणिडमरूयुगजाके।
मोहितजीवसकलबसुधाके॥ जोरिपाणिजेहिजपतखगे
शा। पाणिग्रहणसोकरतमहेशा॥ जेहिअज्ञानिशिदिन

सहिशरमा । करतभानुध्रुवकीपैकरमा ॥ मुनिबरयतन करतजेहिलागी । भाँवरिफिरतसोकैअनुरागी ॥ मखज पतपतीरथअस्पर्शन । अगमअगोचरजाकोदर्शन ॥ अलखजाहिश्रुतिकहतपुकारे । बैठमगनसोंमैहरद्वारे ॥ सकलपुण्यफलनृपजेहिअर्पैं । तपतीरथफलसिद्धिसम पैं ॥ संतसदानैवेद्यलगावैं । ताहित्रियालहकौरिखवा वें ॥ अजअद्वैतअमलअबिकारी । चिदानन्दईश्वरत्रि पुरारी ॥ जोशशिमौलिसबनसोंन्यारा । करतसगुणली लाबिस्तारा १०६ धनिगिरिजातुवचरणसुहाये । जासु कृपाकिन्नरसुरनरमुनिमनमानेनिजनिजफलपाये ॥ सेव तसुकृतसुलभसबहीबिधिमुदमंगलगुणजातनगाये। ज हँलौंजौनपदारथातिहुँपुरलहतसहतचरणनाचितलाये॥ श्यामपृष्ठिपावनयमुनासीनखद्युतिगंगछटाछबिछाये । शारदरंगअरुणतलसंयुततीरथराजविदितमनभाये ॥ ध्यानधरतसुमिरतअवलोकतत्रिबिधकर्मभागतभयखा ये। तेपदआजुप्रक्षालतहिमगिरिसुखशशिमौलिनजाइ गनाये१०७जाकोवेदनपावतपार। सोगिरिजाशिवव्या हरचोनिजयथाविश्वव्यवहार ॥ योगिनयोगध्यानकरि कबहूँपायोदरशउदार। मंडपतरबैठाइतुहिनगिरिपूजत बारंबार ॥ संन्यासीलैदंडजासुहितबिचरतबिपिनबिहा र। उमाशंभुसोइफिरतभाँवरीप्राकृतकीअनुहार ॥ कंद मूलफलअशनकरतमुनिजेहितपतजिमदमार। ताहित्रि यालहकौरिखवावतबैठेमैहरद्वार ॥ बंधमोक्षपदजाहि बिदितविधिकरिशशिमौलिबिचार। गठिबन्धनकीरीति

करततेहिमातुपिताअतिप्यार १०८ शिवगौरीबरब्याह
रचोहै । जगदीश्वरजगदम्बजक्कहितजगब्यवहारबिम
लबिरचोहै ॥ हिमआंगनमणिमयमण्डपशुचिविशुक
र्मोजेहिलाजलजोहै । नाकेतरभइभीरसुरनकीठौरठौर
आनन्दमचोहै ॥ गणपतिअग्निबरुणपृथिवीपुनिसकल
सुरनबिधिवतअरचोहै । धर्माचरणरीतिकुलकीसब
कीन्हविविधविधिजौनजचोहै ॥ कन्यादानदियोमैना
हिमपाणिग्रहणतबशम्भुसचोहै । लागींहोनभौंवरीअ
तिहितसोसुखजातनहींचरचोहै ॥ नेगनिछावरिदानअ
नेकनदेखिजिन्हैंत्रयतापतचोहै । याचकजोतेहिक्षणते
हिसुरबिधितबसोयाचकतानखचोहै ॥ बाजैपणवशंख
दुन्दुभिनभनाकनटीबरवन्दनचोहै । बर्षतकुसुमावलि
सुरकिन्नरउरपुरप्रेमललकललचोहै ॥ जौनजथरयमहा
रजहांजोनिर्गुणमहँपुनिजाइपचोहै । सचरअचरशशि
मौलिसमयतेहिआनँदसोंकोउनाहिंबचोहै १०९ जोमू
लमहाउतसाहकी । जयबोलियश्रीगणनाहकी ॥ मर्य्या
दजोविश्वप्रपंचकी । प्रियआरतिकीजैबिरंचिकी ॥ पा
लनजेहिसबजगजीजियै । प्रियआरतिहरकीकीजियै ॥ जे
हिराजअमरपुरदेशकी । प्रियआरतिकरियसुरेशकी ॥
सुरसिद्धधुन्धयमकालकी । प्रियआरतिभूतबैतालकी ॥
नन्दीयुतअनमितभुवंगकी । प्रियआरतिकीजैगंगकी ॥
हितमन्त्रसखाअरुनातकी । प्रियआरतिसकलबरात
की ॥ करुणाजेहिबिपतिबिदारती । शंकरकीकीजैआ
रती ॥ शशिमौलिसकलसुखपाइहै । यहआरतिजोनि

लगाइहै ११० शिवगिरिजामंडपतरराजै । अद्भुतदेखि मनोहरजोरीकोटिनकामसहितरतिलाजै ॥ पितुमाता त्रिभुवनकेदोऊअजअद्वैतसगुणछबिछाजै । लोकअ चारकरैंयाहीतेसोजोद्वैगेहीसुखसाजै ॥ हिमनगरीऔ देवनगरमहँशंखपणवदुन्दुभिबहुबाजै । दूउदिशिनृत्य कारनिरतैंपुनिसँगलीन्हेनिजअमितसमाजै ॥ हंसचढ़े बिधिविष्णुगरुड़पुनिइन्द्रचढ़ेऐरापतिगाजै । करैंसकल सुमननकीबर्षाजयधुनिमुखअरुआनँदभ्राजै ॥ मागध सूतबजनिहानेगीआशिषबचनबिबिधउपराजै । नेग निछावरिक्षणप्रतिपावैं देखितिन्हैंदुखदारिदभाजै ॥ मंगलगानकरैंपुरकामिनि कोकिलपिकसोंसरिसअवा जै । जनशशिमौलिबिवाहबहानाशिवगिरिजाजनदी ननिवाजै १११ हियहरषैंपुलकैंसखियांसबबैठउमा शिवमैहरद्वारे । ललकिललीलहकौरिखवावैंप्रेमउमँ गहिरदेबिचधारे ॥ लीलाललितनिरखिताक्षणकीको टिमदनरतितनमनवारे । पंसासारिखिलावैंनारीशील सनेहसकोचसँभारे ॥ मंगलमयमृदुवचनबखानीगिरि जाजीतीशंकरहारे । देउहरियाकीरीतिभईपुनिदीपकबा तिकमलकरटारे ॥ मनमुसुकाहिंमहेशभवानीगृहब्यव हारविचित्रनिहारे । देव्यापाइँलगावैंशिवसोंजेहिनावैं शिरसुरमुनिसारे ॥ सुरतरुसुमनसकलसुरबरषैंबाजेंसुर पतिनगरनगारे । लोकाचारकियोयाबिधिसोंशिवगिरि जाजगसिरजनहारे ॥ भैशशिमौलितिहूंलोकनकेतेहि अवसरसबजीवसुखारे११२॥आनाएकबालककाक्षुधावश॥

शैलपतिबालकएकक्षुधावशव्याकुल शिवबरातसोंआ
यो। भोजननहितरोदतलखिलोगनतेरीपवँरिपठायो॥
सुनिहिमशैलसुधारनसोंकहिबहुमिष्टान्नमँगायो। ज्यों
हींआनिधरोताक्षणतेहिखातबिलम्बनलायो॥ मनमु
सुकाइकहैंपुरजनसबहैंदुखियाकोजायो। तपसिनसंग
मलफलदुर्लभकबहूंनाहिंअघायो॥ व्यंजनबिबिधभां
तिबहुधरितबकंचनथारभरायो। रखवायोसमीपतासुत
केमोहमहाउरछायो॥ कीन्हअहारथारसंयुतसबहिम
गिरिअतिरिसआयो। रुखनिहारिभंडारिनतबतेहिलै
भँडारपहुंचायो॥ लगींबिबिधव्यंजनकीढेरैंकाहूअंतन
पायो। पकरिपाणिपरसनहारेसबतामेंताहिलगायो॥
चारिभांतिभोजनछैयोरसजहँलौंजोदरशायो। क्षणमें
लियोसोकिसामासबनिरखितुहिनघबरायो॥ हौतुमासिं
धुपवनपावकरविकीरबिसुवनसुहायो। कोटिनसुरनरना
गरसोईयकक्षणमाहिंबिलायो॥मैंलघुसुतसेवकशंकरको
तासुनभूखबुझायो। औरनकेज्योनारकह्योकिमिअस
कहितुरतसिधायो॥ रोदनकरतआयोशंकरढिगकहब
रातयहलायो। गइसँभारिनहिंमोरिक्षुधाजहँकिमिगिरि
राजकहायो॥ हँसेबहुतअवघड़दानीशिवपाणीपरसि
जिवांयो। रहैदुखीशशिमौलिनकबहूंयहपदप्रातजुगा
यो ११३ शोचतशैलसुनोसबकोई। जेहिबरातकोबालक
ऐसोतेहिज्योनारकहोकसहोई॥ कोटिनसुरकिन्नरनरव्यं
जनकरिअहारबैठोमुखधोई। गेसबसोंकिसरितसरपा
नीबस्तुसकलबहुडारिसिखोई॥ सुनतनगरबासीबिस्मि

तसबसहमिसकुचिभ्रमभाषतरोई । हैंतेहिनाहिंबराती
हरसँगकालकलेवरसबहैलोई ॥ देखेसुनेव्याहबहुतेरे
ऐसिबरातनकाहूजोई । कीन्हकठिनतपताहितगिरिजा
ऋषिनारदमायामतिभोई ॥ कोउकहैप्रबलप्रलयकिंक
रयेकोउकहैयमजगभक्षकजोई । पावकपुरुषरूपकरिको
टिनकोउकहैआइबिराजोसोई ॥ हरषविषादब्यक्तजग
दम्बाजानिगईशंकरगतिगोई । दीन्हचितैशशिमौलि
भँडारनभइपरिपूरितसकलरसोई ११४कोबरणैज्योनार
सरसरचनाभली।शोभितबिधिअरुबिष्णुसहितसुरमंड
ली॥मधुरसुरनप्रियगारिसबैगावैंअली। बढ़तबरातिन
प्रेमपरमपुलकावली॥भाषतबंदीवेदविनयबिरदावली।
धनिमैनाहिमवानधन्यहिमकीललीं॥करिआचमनबरा
तसोजनवासेचली।दरशकाजशशिमौलिसबैठाढ़ेगली
११५॥ बिदा॥ होतबरातबिदाशंकरकीप्रेमपुलकिपुरज
नसबधाये।कहतपरस्परपुरनरनारीधनिहिमगिरिकेभा
गसुहाये॥ अजअबिकारअलखअखिलेश्वरशिवजाके
जामातृकहाये।हिमनगरीकेजीवजहांलौंजाइनकोटिबद
नगुणगाये॥सफलभईसबहिनकीकरणीगंगाधरकेदरश
नपाये।लैलैलेहुलाहलोचनभरिफिरिहोइहैनहिंकछुपछि
ताये।हैदुर्लभदरशनशंकरकोजनशशिमौलिकहैघरआ
ये११६ शंकरसमनहिंदेवअनन्य । अजअनादिअखि
लेश्वरईश्वरईश्वरमानतपुन्य ॥निराकारनिर्लेपनिरंजन
निर्बिकारब्रह्मन्य । काशीपतिपूरणपरमेश्वरपरमानन्द
प्रसन्य ॥ रबिशतकोटितेजतनछाजैछबिज्योंविमलहि

रन्य। करडमरूअहिमालहृदयबिचसुखंशोभासंपन्य॥ शिरसोहैशशिमौलिनिशाकरसुरनरनागशरन्य। सोजा कोजामातृकहायोहिमसमानकोधन्य ११७ जाततुहिन शिवकोपहुंचावन। बारबारफेरतअखिलेश्वरफिरिफिरि चलतनमानिसिखावन॥ नाथदरशदुर्लभसबहीबिधि जड़मूरतिमैंसहजसुभावन। कैसेतजौंलाहलोचनकोभ वमोचनतुवसंगसुहावन॥ सुरमुनितुवमाहिमानहिं जानैंमैंतोमूढ़बिबिधसबठावन। मैअगणितअवगुणअ घमोसोंकरियक्षमाजनदोषनशावन॥ दायजदेउँकहाक रुणानिधिसबलायकतुमजगयशपावन। टहलकाजक न्याकिंकरियहराख्योशरणप्रणतदुखदावन॥ सुनिहिम गिरिकेबैनबिमलबरतोषेशिवत्रिभुवनमनभावन। की न्हबिदाशशिमौलिश्वशुरकहँ जबतबकह्योनगरनिज आवन ११८ मातहिंमिलतशैलसुकुमारी। बारबारभेंट तिप्रेमातुरमोहविवशतनसुरतिबिसारी॥ बिछुरतबच्छ गऊगतिजैसीतैसहिदीनदशामहतारी। धीरनधरतढुर तआँखियनजलपुनिपुनिलेतगोदबैठारी॥ आयेगृहगि रिपतितेहिअवसरधाइउमाकियोरोदनभारी। लीन्हला इउरशैलसुतानिजमोहमनोबैठोतनधारी॥ प्रियपरिज नपरिवारकुटुँबातियअरुपरोसबासिनजोनारी। बालाप नपुनिखेलीजिनसँगसबनमिलीहिमवंतदुलारी॥ प्रबल बियोगबिथादारुणदलछाइगयोरनिवासमँभारी। जन शशिमौलिसमयमंगलमयतुहिनसुता ससुरारिसिधारी ११९ पतिसेवाकरियेमनबचक्रम। क्षणप्रतिप्रेममगन

रहियेतेहिचितमेंमतिरखियेतिनकोश्रम ॥ स्वामीसुख
हिततनमनधनसबतृणसमजानियज्योंबुधिविक्रम। श्रा
ज्ञाभंगकरियनहिंसपनेहोइचहैश्रतिहीदुखपैश्रम ॥ है
श्रतिकठिनपतिव्रतकोतपकरतप्रशंसयतीगृहश्राश्रम।
सोइशशिमौलिकरीजेसाधननहिंदूसरकछुयासमसदक्क
म १२० जेहिपतिदेवताकोभाव। सोत्रियातिहुँलोकपा
वनबदतविधिकरिन्याव ॥ पदप्रक्षालनश्राचमनपुनि
दातुइनिश्रस्नान। चन्दनश्रक्षतपुष्पदलसोंपूजैबिधि
श्रनुमान॥ धूपदीपसमर्पिश्रागेधरैशुचिनैवेद। बारि
बीराव्यजनचामरहरैपुनिपदखेद ॥ जीतेजीवैसोयेसोवै
पैठेपीवैनीर। हेरेहरैनेरटेरैगाढ़ेराखैधीर ॥ दुखदुखीसु
खसुखीपतिबिनश्रौरनहिंश्राधार। होयनहींरुखबिमुख
सपनेबाढ़ैक्षणप्रतिप्यार॥ स्वामीकोनहिंजोवैजबलौंजा
नैमिथ्याकाल।कैसहूपतिहोवैनिर्गुणदेखिदरशनिहाल ॥
श्रनखश्रालसबिबिधबिग्रहक्षोभछलकोथम्भ।मूलसहि
तउखारिउरसोंकामक्रोधरुदम्भ॥ सहजहूकहैनाहजोक
छुमानैदृढ़बिश्वास।त्रासहूजोदेइस्वामीहोयनकछूउदास।
होसलज्जसुलक्षणीतुमसूक्रियाशिरमौर।करैयहशशिमौ
लिशिक्षाजक्कहितहैगौर १२१ बाजिडिमिगडमरूकहिं
श्राज। सुरनरनागयक्षयमकिन्नरमोह्योसकलसमाज ॥
विद्याधरगंधर्वगुणीजनजेगायनाशिरताज। श्रायेशरणा
गतशंकरकेउरपुरप्रेमबिराज॥ नाकनटीधाईधीरजतजि
भलभवनसुखसाज। शंभुनिकटनिरतैलागींसबपरिह
रिसुधिबुधिलाज॥ मदनश्रवनसुनिशब्दसमयतोहिराति

गृहतेउठिभाज । गिरिकैलासगयोजबलौंनाहिंसमुभयो
अमितअकाज ॥ दुखवारिदबूड़ेजहँलौंजेचढ़ेप्रमोदज
हाज । हैंशशिमौलिउमाशंकरदोउपरमगरीबनिवाज
१२२ ॥ शिवडमरूदेखोफिरिबाजी । तीनोंभुवनभरीम
धुरीध्वनिधीरजताउठिभाजी ॥ छकेदेवनरनागयक्षयम
थकेभानुरथवाजी । सकैनडोलिपवनपानीजसमोहेसक
लसमाजी ॥ सोहेसभासुरपतिसुरसंयुतव्यजनछत्रछ
बिछाजी । श्रवणसुनतयोगीबनिबैठोमूँजीमेखलसा
जी ॥ योगीयतीजपीजलशयनीसंन्यासीगृहकाजी ।
भुलेदेहदशासुधिसबकहँहियकछुऔरबिराजी ॥ जहँलौं
अंडरचितरचनायहसबकीसुधिबुधिलाजी । शिवशशि
मौलिमोहनीविद्याडमरूसों उपराजी १२३ डमरू
बजीशशिधरभालकी । कहिनाहिंसकतशेषहारोहियदे
खिदशातेहिकालकी ॥ करतरहेउच्चरनचारुमुखबाणीवे
दाबिशालकी । ह्वैगेचकितचहूंकितचितवतसुनिधुनि
अटपटचालकी ॥ श्रीसमेतश्रीपतिसुरपुरमेंरचतरीतिप्र
तिपालकी । श्रवणसुनतऔरैशोभाभईनीरजनयनरसा
लकी ॥ निर्ततनाकनटीअमरावतिलागिसभासुरपाल
की । मोहिगयेगन्धर्वगुणीसबसुधिबिसरीसुरतालकी ॥
थकेपवनपानीपघिलेगिरिशिथिलशिखाभइज्वालकी ।
छकितभयेनभक्षितिमुरछितमतिभूतप्रेतबैतालकी ॥ को
पकुपानकटीजिनकीबुधिवशभेकामकरालकी । ह्वैगेज्ञा
नमगनतेहिअवसरगतिभूलीभ्रमजालकी ॥ ठगेभानु
शशिडुगेदिवसनिशिसजलघटाघनमालकी । प्रेमबिवश

तनमनकीसुधिबुधिउड़िगईउड़गणजालकी ॥ कहैकथा
शशिमौलिकहांलौंसुरनरकिन्नरव्यालकी । सारीसृष्टि
छलीतेहिअवसरक्षितिअरुगगनपतालकी १२४ ॥
बन्दनाहिमवकैलास ॥ धनिहिमगिरिधनिधनिकैलास ।
शैलसुताशिवकेआश्रमजहँविरचितबिबिधबिलास ॥
इतसखियांशुचिसुमुखिसुलोचनिसुखशोभाकीरास । उ
तबैतालभूतप्रेतादिकप्रमुदितप्रेमप्रकास ॥ इतस्वरूप
वंतीरानिनसोंसोहिरहयोरनिवास । उतसुरसिद्धसमाज
समागमशोभितआसौपास ॥ इतअतिरुचिबिचित्रमह
लनमेंपुरजनकरतनिवास । उतबनबेलिनकेबितानतरु
बसैंशंभुकेदास ॥ इतशिविकासुखपालसुखासनउदय
दिव्यआभास । उतनन्दीबाहनबिशालवरहरणत्रिबिध
तनत्रास॥दोऊएकस्वभावएकरसइकस्वरूपबिश्वास।भ
जुशशिमौलिउमाशंकरसोइकरिदुबिधाभ्रमनास १२५
लखुनवमेघनकीअनुहारैं । कोकीमोरमहामधुरीसुरनि
रततनवलपुछारैं ॥ गिरिकैलासशिखरकेऊपरबनबेली
अधिकारैं । फूलैफूलिरहेचारौंदिशिभ्रमरकरतगुंजारैं ॥
डोलिरहीअतिहीआनँदसोंशीतलमंदबयारैं । गिरिच
हुंफेरगंगकीलहरैंत्रिभुवनतापनिवारैं ॥ ठौरठौरसोहैंशु
चिआश्रमदेवसदनहियहारैं । तिनमहँबसतपिशाचप्रे
तगणगावतमगनमलारैं ॥ बनवासिनपरतोषिपरस्पर
बिग्रहबैरबिसारैं। ऋषिसादर्शसरिकाशुकसबशंभुसुयश
उच्चारैं ॥ बैठेबटतरध्यानधरेशिवजबतबनैनउघारैं । ध
निशशिमौलिनिवासीझांकेजिनकीओरनिहारैं १२६ बो

लैंपिकचातकमोर।जनुब्याकरणिनकेबालककरतसूत्रहितशोर॥ लहकेललितलताद्रुमवृंदनभुकेफूलफलभार। नयेप्रखरविद्याकरमानोंविद्यारथीउदार॥ घनघमंडितरजैगरजैनभकरैकुलाहलघोर। शास्त्रअर्थजनुबुधमंडलमहँहोतअनेकनओर॥ परतबड़ेबड़ेबूंदचहूंदिशिआइरहीबौछार।उत्तरप्रतिउत्तरबचननमहँमानहुंपरीपुकार॥ गिरिकैलासमध्यनंदीगणसहितगणनआनन्द। जनुमध्यरुथसहितश्रोतासबहर्षितसुनिसुनिछन्द॥ मेघनकोसुनिशब्ददादुरनझिल्लिनरटनिलगाव। जनुतेहिमंडलकीसराहनाकरतसुजनचितचाव। भरेखेतउमहेसरितासरहरषेजलकेजीव। छकेसिद्धउमँगेबाचकजनुकबिनबिलासअतीव॥ फूटिकियारिगईखेतनसोंबहनगलिनजललाग। जनुविद्याकोबोधमुखनसोंश्रवणनश्रवणनभाग॥ महातिमिरितायोतिहिदामिनिलसतबहुरिछिपिजात। अज्ञानिनउरज्ञानयथारथप्राबिशतपुनिबिलगात॥ पांतिपांतिबकउड़तगगनपरअरुखद्दैतउजेर। जनुबड़सुयशबड़ेबक्तनकोअल्पअल्पगतिकेर॥ बिकलचकोरचंद्रकिरणनबिनचकचकईहरषाइ। बिनबिद्यापछिताइयथाबिधिबिद्याधरहुलसाइ॥ अगमपंथपावसऋतुमेंलखिपंथिनआश्रमकीन्ह। जनुसंन्यासकठिनलखिबुधजनगृहमारगचितदीन्ह॥ प्रबलघटाकीबाढ़िजानिजियरैनिभईअतिकारि। जिमिविद्याअपमानकियेसोंचितकीवृतिअँधियारि॥ लागीबहैबयारिबड़ीजबचलामेघदलभागि। जिमिबिद्याअनुरागगयोउड़ि

यतनजीवकालागि ॥ प्रकटेअमितजीवजलचारीजल
महँकरतकलोल । जिमिबुधजनकेबालवृंदबहुविद्यामा
हिंअडोल ॥ उदयधनुषआकाशमध्यलखिनरनारीहुल
साइँ । भृकुटिबिलासदेखिकोबिदकेपढ़नहारहर्षाइँ ॥ प
रतनदेखिनक्षत्रएकहूघनकेपटलमँझार । ब्रह्मबिचार
कियेअलखितजिमिसकलद्वैतबिस्तार ॥ बारिसमूहभ
रेखेतनमेंधानगुप्तह्वैजाइ । जनुबहुबिद्याकेबिलासमें
आशासकलसेराइ ॥ वर्षाऋतुकेजीवजंतुबिचइन्द्रवधू
चमकार । जनुब्याकरणनिकेमध्यमेंनैयायिकअधिकार ॥
प्रबलबयारीबहैदिवसनिशिथूनिचुवैछतिछानि । विद्या
दानदेतनितत्योंहींरहतनरोकीबानि ॥ करिशृंगारनगर
नारीसबभूलैंभूँकहिंडोल । ज्ञानगिराज्योंविद्वाननमुख
भूलतअमितअमोल ॥ ऋतुपावसउत्साहसमुझिजो
गावतसकलमलार । जनुशशिमौलिसकलविद्यापढ़ि
भाशिवनामअधार १२७ हमेंहिमनगरीमनमानीजहँ
प्रकटउमामहरानी ॥ कहुँएकचरणमुनिठाढ़ेकहुंतपतत
पीतपकाढ़ेकहुंप्रेमपुलकतनुबाढ़े धरिध्यानमगनमुनि
ध्यानी ॥ कहुंफूलिरहीफुलवाई कहुंफैलिरहीअमराई
कहुंसरितातालतलाई भरिशीतलजलउमड़ानी ॥ कहुं
हरितलताद्रुमकुंजें कहुंभवँरकमलद्रुमगुंजें कहुंशुकसा
रिकपिकपुंजैंकरैंकूकमहामृदुबानी ॥ कहुंमृगतनधरिसुर
डोलैं कहुंह्वैपक्षीबनबोलैंकोउभेदनआपनखोलैंरहैंगुप्त
हर्षउरआनी ॥ शशिमौलिकहैजेहिनामाजपिजीवलहैबि
श्रामासोआपबसतजेहिग्रामासकै महिमाकहिकोप्रानी

१२८हिमनगरीत्रिभुवनसोंन्यारी जनीकोटिब्रह्मांडनकी जहँप्रकटभईगिरिराजकुमारी॥माता।पिता।प्रजामंत्रिनके नितनवहर्षहृदयअधिकारी। मंगलबस्तुबसीसबकेगृह नवनिधिलाभलहैंनरनारी॥ कुलकुटुम्बपरिवारजहांलों दुखसपन्योनहिंपरतनिहारी।ऋधिसिधिसकलखड़ीपवँरिनपरपरीगलिनबिचसंततसारी॥ तोरनध्वजपताकरंभातरुकंचनकलशभरेबरबारी। घरघरद्वारद्वारदीपतइमिबिश्वकरमाबिस्मयउरधारी॥रचेरागरचनाकाहूदिशिमचीमृदंगनकीरवकारी। स्वांगरुनाचसजेकतहूंपुनिपरमकुतूहलनगरमँझारी॥ मणिमाणिकमुक्ताकंचनमयगृहवीथीचौहटचौपारी।सरसरिताबनबागमनोहरत्रिबिधविमलवरवहतबयारी॥ बापीकूपकुटीसंतनकीशिखरगुफाअस्थलफुलवारी। ठौरनठौरहवनपूजामखरटतउमाशिवकोमुनिझारी॥ वेदउपनिषदतंत्रपशुपतिमतपढ़तगुणतपुरसुवनसुखारी। अपरसकलबिद्यानिधानसबयोगीयतीतपीआचारी॥नानाअस्त्रशस्त्रधारणकरिकैंसुभटपुरकीरखवारी। वृषभधेनुमहिषीमंदिरप्रतिहयगयसबस्यंदनअसवारी॥सबअरोगसंदेहबिगतसबसबसप्रेमआनँदउजियारी। वेदपात्रधनपात्रपात्रगुलकतहूंकलहनबिग्रहकारी॥ भोजनबसनबासबाहनधनघरघरपावतभीखभिखारी। जलचारीथलचरनभचरसबसुखीसमयअनुकूलनिहारी॥सुरनरनागकहतपुरमहिमालहतनअंतरहतमनमारी। तेहिशशिमौलिकरौंकिमिबरणनप्रकटआपजहँसिरजनहारी १२९आजशिवबनबनोहैबसंती।

कुंदापियाबासबेलीचमेलीमनुपुरुषतियवेषभूषणसजंती
झमकिझाड़ीझुकैंभूमिनवपल्लवनसोईरम्भामनोरूप
वंती । पवनबशडोलैशाखाललतालहलहैसोईजनुनृत्य
छबिसोकरंती ॥ बोलैंकलकंठशुकशारिचंडोलपिकगान
जनुगायननसोकरंती । भ्रमरधुनिमन्दघहरायनकोकि
लजबैमंजीरमिरदंगमानौबजंती ॥सरनमेंपरेपलाशआ
दिकेपुष्पओढ़िसोइरंगकुंडमानौभरन्ती ।मज्जिदन्तीसु
जलसोंशुंडतजैजबसोईजनुरंगपिचकाचलंती॥पुष्परस
ओसबशबूँदबूँदनचुवैंताहिलैबायुइतउततजंती।कैरही
दिवसनिशिरंगबरषासोईचहूँकितललितरचनारचंती॥
कमलाकीधूरिअलिवृन्दमुखतेझरै कदलिकरपूरलैखग
उड़न्ती । अरुणसितसोईअबीरआदिअद्भुतमनौसू
रशशिसौंझशोभालसन्ती ॥ निरखियहछबिरसालआ
दिबौरेभयेकूटऋतुराजललनालजंती । कहैशशिमौलि
शिवउमासुखदेतजोतौनबनकीकथाकोकहंती १३० आ
योदरशनहितऋतुबसन्त।बैठेजहँशिवगिरिजाअनंत ॥
उरप्रीतिउन्नताकोउमंग । पिचकारिभरेहगप्रेमरंग ॥
कियेईशबिरहबशपीतअंग । यहिभांतिपरोचरणनतुरं
त ॥ पियबासचमेलीकेसुमाल । गुँधेकुन्दनबेलिनकेसु
जाल ॥ पहिरायोनिजकरकमलनाल । हरषेहियगिरि
सुकुमारिकन्त ॥ लायोबलकलरँगमेंरँगाय। बांध्योतेहि
कँटिकोपीनआय ॥ पुष्पाभरणउरलासिबनाय । छबिदे
खिहँसेसबसाधुसन्त ॥ तेहिअवसरकोसुनिसमाचार ।
धायेसुरकिन्नरउरउदार ॥ भइरागरंगरचनाअपार।ल

खिठाटसोमोहेजीवजन्त॥ गन्धर्बनबीनमृदंगसाज। कियोतालसुरनसमऊपराज॥ डमरूपुनिताकेमध्यबाज। सोशब्दसदासबकोरुचन्त॥ गायोतबबिद्याधरनछन्द। निरतैंरंभादिकवृन्दवृन्द॥ नन्दीसुरहियअतिहोअनन्द। लैभस्मशिरनसबकेलसन्त॥ गिरिजाशिवपदपाथोजधूरि। शतकोटिअबीरनकीजोमूरि॥ शशिमौलिकहैजेहिहगनपूरि। तेहिभागप्रशंसाकोनअन्त १३१

होरीखेलतऔघड़दानी। सँगसोहैउमामहरानी॥ भृंगीगौरीशबजायो। सुनिशब्दसखासबधायो॥शिरनायरजायबिचारी। करैलागकुलाहलभारी॥ कोउशृंगीनादबजावै। कोउशंखपणवरवछावै॥ डमरूमिर्दंगनगारे। गरजैघनइन्द्रअखारे॥ सांगीतमधुरसुरगावैं। सरिगमकेबोलसुनावैं॥ तिरवटधुनिजबउपजावैं। जनुअमृतरसबरसावैं॥ सुनितांडवनृत्यसोहायो। सुरकिन्नरदेखनधायो॥ लखिदेहदशासुधिनाहीं। हियनेहनदीउमड़ाई॥ शंकरपदरेणुसुहाई। शतकोटिअबीरसिहाई॥ सुरलैलैसबनलगाई।तेहिदामिनिदेखिलजाई॥यहशंभुउमाउत्साहा। रँगप्रेमप्रमोदप्रवाहा॥ शशिमौलिकहैजेहिंदेखा।भयोजीवन्मुक्तबिशेखा१३२॥पदबिनय॥ गिरिजापतिबिपतिहरणराखौपतिमेरी। सोवतअरुजागतमेंशरणागततेरी॥ सुरमुनिनरनागसकलजीवनतनहेरी। तुमहींकरिख्यालखबरिलेतसबनकेरी॥ दीननकेदानितुम्हैंवेदकहतटेरी। मेरेहितकाजकहांबैठेमुखफेरी॥ लीन्होमदमोहमहामत्सरमोहिंघेरी। हटकोप्रभुवेगिइन्हें

क्रोधअनलप्रेरी॥मांगेशशिमौलिनसुखसम्पतिकीढेरी। दीजैनिजभक्तिनअबकीजैकछुदेरी १३३ भजुगिरिजापतिबिपतिबिदारन। अतरनतरनशरनअशरनकेसुरनसुखदअसुरनसंहारन ॥ भुजबलपाइसमरमाँग्योपुनिबानासुरसमकोअघधारन । हरसंग्रामाबिपत्तिपरीजबधायेसहायकरनकेकारन ॥ लुकिरह्योबिप्रभठीभयसोंजबजानिसुराकृतलागोजारन। तारकमंत्रसुनायोतहँतेहिऐसोकोअतरनकोतारन॥ शंखासुरवेदनहरिलीन्ह्योधर्मलगेसबशरणजुहारन । तंत्रबिरचिरक्षाकियोताकीअशरनपालप्रणतनिरधारन ॥ भयेअतिबिकलबिषमबिषसोंसुरकोउनसक्योतेहिकालउबारन। करिबिषपानसुधासमशंकरकीन्हसकलसंकोचनिवारन॥ असुरजलंधरअरुत्रिपुरादिकभेमुरछितक्षितिजिनकेभारन । दीन्हीगतिशशिमौलितिन्हेंशिवपापकियोजिनकोटिप्रकारन १३४ प्रातसमयश्रुतिचारिसदाशिवकीशरणागतआवै। अतिरुचिरुचिरऋचानिजनिजमुखबिरदावलिबिमलसुनावै॥ बैठेबाघंबरओढ़ेशिवसेवकइतउतधावै। सेवाजौनयोगजाकेजिमिकरतबिलंबनलावै ॥ शुचिसुबारिशुचिपरसिपरमहितमज्जनमंजुकरावै । कटिकोपीनकसैवलकलकेअहिकंकणपहिरावै ॥ नागपवीतासिधारिहृदयपुनिउरशिरमालसजावै। कोमलकरनजटाजूटनशुचिभालबिभूतिरमावै॥ गंधाक्षतपुष्पइच्छायुतकरदरपनदिब्यदिखावै । कोउछत्रलैआनँदसोंकोउचमरडुलावै॥ धूपदीपनैवेद्यसमैवाजंत्रअनेकबजावै । जल

पानादिकराइबहुरिपुनिकन्दमूलफललावै । तांबूलपूगी
फलसंयुतबीराबिमलखवावै ॥ बिबिधभांतिभेंटैंआगेंध
रिनीराजनदिखरावै । पुत्राकिपुत्राकिपैकरमाकरिपुनिप्रे
मप्रमोदबढ़ावै॥नृत्यगानसन्मानसकलबिधिबारबारशि
रनावै । यहप्रभातलीलाशंकरकीजेप्रभातनितगावै । बि
नपरिश्रमशशिमौलिसदामनबांछितफलतेपावै १३५
अतिप्रियमोहिंमूरतिमहेशकी । भालस्पर्शलोभिजेहि
सुरधुनिबशीभूतभैजटाकेशकी ॥ काननकर्णसुमनसर्प
नकेशिरशोभितशोभानिशेशकी । नयनतीनत्रैलोक्यबि
मोहनहँसिहेरनिहरणीकलेशकी ॥ हियमुंडनकेमालबि
राजतबिमलभस्मभासैमृतेशकी॥ गरलकंठउपबीतभुवं
गमभंजनभयसबदेशदेशकी। करकपालडमरूत्रिशूलध
रकटिकिंकिणिरहिफबिफणेशकी॥ अहिकोपीनव्याघ्रपट
अम्बरचरणध्यानगतिअगमशेशकी।बर्षतसुमनसराहि
सकलसुरदेखिदीप्तिकोटिनदिनेशकी ॥ दरशनहेतुसदा
द्वारेपरहोतसभाबिधिहरिसुरेशकी। शिवशृंगारशशिमौ
लिकहैंकिमिठिठुकिरहतजहँबुधिखगेशकी ॥ सोइअर्द्ध
गउमाआकृतयुतबलिहारीअवधूतभेशकी १३६ शिव
मूरतिममचित्तबसीहै । मनुजमसानभस्मभारंकितबाल
बिमलशुचिसोहैससीहै ॥ करनअरुणउरगनकेकुंडलजू
टजटाबिचगंगधसीहै।नयनतीनत्रिभुवनभयभंजनअध
रमधुरमृदुमंदहसीहै ॥ कालकूटकलकंठसाचिह्नितमुंड
मालहियमैंहुलसीहै । नागउपवीतबिषमतात्रासिकत्रा
ससकलजेहिदेखिडसीहै॥करकपालडमरूअरुकटिबिच

अहिकिंकिणिकोपीनकसीहै।भूलैनमोहिंशशिमौलिचर
णरजधन्यध्यानदगजासुबसीहै १३७ भजुमनगिरिजा
रमणमहेश । जासुनामनितनूतनगावतपावतपारनशे
श॥जेहिप्रतापलवलेशलाजबशद्वादशकलादिनेश।को
टिकोटिनवनीलघटाछबिछाकितजटाकेकेश ॥ सुरसरि
सोहिरहीजाकेशिरपावनपुण्यप्रवेश। बसतसदाकैलास
शिखरपरकियेदिगंबरवेश ॥ भूतप्रेतबैतालसखाजेहिसु
न्दरसुवनगणेश । करकपालडमरूत्रिशूलधरसोहैशीश
राकेश ॥ जाकोध्यानधरतनिशिबासरब्रह्माविष्णुसुरेश।
सोइशशिमौलिसहाइहमारोशंकरशमनकलेश१३८ भ
जुशंकरशरणागतपाल।डमरूधरफरसापिनाकधरगंगा
धरशशिभाल ॥ डमरूसोंकियोनादनादसोंवेदरचोतत
काल। वेदनकेबलसोंबुधिबिरच्योभवप्रपंचकेजाल॥फर
सासोंसंहारणाकीन्ह्योत्रिपुरादिकबिकराल । तिनकेभय
सोंछूटिमगनभेसुरमुनिपृथिवीब्याल॥जबजबपरेभीरिभ
क्तनकोभयअत्यन्तबिहाल । गहिपिनाकरक्षाकियोतिन
कीक्षणमेंदीनदयाल॥ कलबिषकालकूटसमजिनकीहिय
बिचकीन्ह्योशाल।तिनकेकाजसुधासमसुरसरिशिरधरि
कियेनिहाल॥सोमसुकारसोमशोभानिधिसोमस्वरूपर
साल । शिवशशिमौलित्रयतापहरणहितधरोशीशबिधु
बाल१३९शिवमोहिंराखिलेनिजशरण। हौंमहाअपराध
कोनिधिआयोंतकितुवचरण ॥ देतबरबसमुक्तिजबजेहि
होतकाशीमरण। तरैकाशीकोबिमुखजबजानोअतरणत
रण॥ तारिबोहैसहजजाकोशुद्धअंतःकरण । हौंअधमउ

द्धरणतबजबकरौममउद्धरण ॥ बदनसोंनहिंबद्योंमहि
मासुन्योंयशनहिंकरण।करिअतीअपराधमूरखचहतअ
घसंहरण॥ पापकृतपापात्मपापीपापपोषणभरण।त्राहि
मेशाशिमौलिशंकरसर्वपातकहरण १४० सबबिधिसोंमैं
अवगुणगाहक।शंकरसुरनपालबानातुवतातेतुमहींमोर
निबाहक॥ कोटिकरैअघहोइशरणजोहोउनकबहुंतासु
अनचाहक। भस्मासुरसमकोअपराधीमुक्तिदीन्हिदेखौ
हैदाहक॥ बाणासुरपायोबरतुमसोंतुमहींसोंभयोरणको
गाहक । हरिसंग्रामबिपत्तिपरीजबकियोउबारताकोल
हित्राहक ॥ ऐसेहौसमरथसबलायकभोलानाथपतित
उत्साहक। नहिंशशिमौलिकोऔरभरोसोताकोजोभूल्लो
तोनाहक १४१ शिवसर्वज्ञसदासबकेहित । काहूवृत्ति
बुद्धिविद्याबलकाहूसुखितसदनदाराबित॥ अमदअपार
अमोहअनघतनअजअविकारअमलइंद्रियजित। कवि
कोबिदबुधबिबुधशेषश्रुतिपारनपावतगुणगावतनित ॥
जूटजटाबिचगंगछटाछबिकालकूटकलकंठसोइच्छित।प
रमकृपालकृपाकेआगरसुखसागरसहशीलसरलचित॥
असुरसमूहजवासआदिज्यों शालीसहशदासाजितही
तित। लैउदबोहितकाजदुहूंदिशिप्रकटप्रभावयथापाव
सऋत॥ अगणितपतितशरणतकिआयेलीन्हउबारिस
मानसितासित । हैशशिमौलिभरोसेतेरेताकीबारबिलं
बरहीकित १४२ झांझरनैयामोरीपारकरोप्रभुगाढ़ेसों।
बहैबहुसिंधुअगमअतिअधिकौबर्षाजलकेबाढ़ेसों ॥ठा
टपुरानोबांसखियानोजातबहीनैखाढ़ेसों। हैशशिमौलि

स्वामिअबयहिक्षणकढ़ततुम्हारेकाढ़ेसों १४३ नैया
बिनगुणकीमेरिआइपरीमँझधार। यहभवसिंधुअपा
रअगमअतिसूझतवारनपार ॥ दिनहैथोरोसंगीनहिं
कोईतापरपवनप्रचार । कामक्रोधकेकठिनकगारेमदज
लकोअधिकार ॥ लोभकिलहरिमोहमकरादिकभ्रमके
भवँरहजार। यहिनैयाकोठाटपुरानोकांटाकीलढिलार॥
बल्लीबांसघुनेतखतासबकेवटहैमतवार । होतसहायस
दासबहीकेनंदीकेअसवार॥ अबयहिक्षणशशिमौलिह
मारेतुमहींखेवनहार १४४ छाईहगनहमारेशिवपदकीधू
रिहुधूरि । धूरिनहींवहमोहनमाया धोख्योजिननिजनै
नरमाया शिवाबिनताहिनकछुदरशाया वाहीछबिगईपूरि
हुपूरि॥ पूरिदृष्टिजेहिउरअन्तरकी भूलीबाटविपिनअरु
घरकी मगनध्यानपदरजशंकरकी जानतजीवनमूरिहुमू
रि। मूरिसजीवनिसेअतिप्यारी पदपरागजगआनँदका
री बेध्योबाणविरहजेहिकारी ताकोसबदुखदूरिहुदूरि॥दू
रिहैंकेतन्योबहुतेरे मेरेजानबसेनितनेरेजेशशिमौलिच
रणकेचेरे ताकोसबसुखभूरिहुभुरि १४५ शंभुजीमैंतोअ
बशरणागतआयोंताकीलाजबिचारो। मेरेअवगुणख्या
लनकीजेअपनीओरनिहारो ॥ अधमउधारणअतरण
तारणयशगावतश्रुतिचारो।हौंहैनामबड़ोकरुणानिधिजो
मोकोउद्धारो॥नहिंजपयोगदानव्रतकेहमनहिंतीरथपग
धारो।मोसमपतितकौनहैस्वामीतुमहींताहिउबारो॥यह
भवसिंधुदुसहदुर्गमअतिताकोवारनपारो। जनशशिमौ
लिमहापापीकोकरगहिपारउतारो १४६ भजुभोलानाथ

पुरारीसुरनरमुनिआनँदकारी।जोचाउरचारिचढ़ायेसुख
देतमहामनभाये तेहिभ्रमवशङ्केबिसराये मनमूरखनिप
टअनारी।जोरीझमदारधतूरनकरिदेतमनोरथपूरनतेहि
त्यागिअबुद्धबिसूरनसुखसम्पतिचाहतभारी। शशिमौ
लिअयाचकसोई गिरिजाशिवजापकजोईनहिंमिलतप
दारथकोईबिनशंभुकृपाअधिकारी १४७ शंकरनामउ
दारसदाजेहिसुमिरिसकलभ्रमभागै । करिजपयोगय
तनयोगीजनयुगयामिनिजोजागै॥ संसकारशंसोंसरो
जसुतसिरजतसृष्टिबिभागै। कमलापतिप्रतिपालकरन
हितकरतककारनुरागै॥ प्रबलरोषरोषितरकारसोंरुद्रसँ
हारनलागै । तीनोंदेवतिहूंअक्षरसोंत्रिबिधकरमरसपा
गै॥ साबित्रीकमलारुद्राणीसंगनयकक्षणत्यागै । जन
शशिमौलिसदातिनहींसोंमनबांछितफलमांगै १४८शि
वशरणागतजोकोउआवै। कटैकोटिकलिकालकालिमा
मनमानेफलपावै॥ अहिमन्दिरमृत्तिकासानिजलजोपा
रथीबनावै । देहअरोगरहैताकेतितअतुलतेजछबिछा
वै॥ सादरशब्दबिमलमनसोंजोजलअस्नानकरावै ।
संपूरणतीरथफलताकहँसुलभसदाश्रुतिगावै ॥ कैस
चेतचितकीचिन्तातजिचाउरचारिचढ़ावै। चारोंयुगयुग
धान्यमहाशुचिभवनभँडारभरावै॥तोरिबेलपत्रहिजोप्र
णसोंकरिअर्पणलवलावै।सुरतरुछांहछत्रतेहिऊपरदारि
दद्दष्टिबचावै॥ दिव्यदूर्बाराखिशंभुशिरनितनयनेहल
गावै। बहुबिधिबढ़ैबंशताकोजगयशप्रतापअधिकावै॥
अरुणपीतसितश्यामसुमनसोंजोशंकरैरिझावै । फूलै

फलैफरैनिष्कंटककमलकांतिदरशावै ॥ चिताभस्मलेप नकरिशिवतनजोप्रमोदप्रकटावै । दहैंदोषदुखदुसहदी नतादीप्तिअमितउपजावै ॥ चरचिचारुचन्दनबन्दनक रिकाशीपतिहिजोध्यावै । शीतलशांतसदाताकोमनशु चिसुगन्धसरसावै ॥ करिप्रचंडपावकपुरारिहितजोजन धूपधुपावै । यहसंसारधूमधौराहरतेहिनहिंदुःखदिखा वै ॥ करिआरतिप्रणतारतहरकीकैआरतचितलावै । दीपकज्योतियथाजसप्राक्रमप्रेमभलकभलकावै ॥ य थाशक्तिआदिकव्यंजनजो नितनैवेद्यलगावै । सुधा सरसरसरासरसायनताहितुरतमिलिजावै ॥ चमरछत्र आदिकपूजाबहुगहिलोकबगुणगावै । जेहिसाधनशशि मौलिमिलैंशिवसोइमेरेमनभावै १४९ करुणानिधिसुधि मोरीकाहेकोबिसारी । मेरेतौऔरभरोसानाहींकेवलआ शतुम्हारी ॥ काहुकेद्रव्यगर्बबहुतेरोकाहूबुधिबलभारी। मोहिंअवलंबनामयकतेरोसांचीकहतपुकारी ॥ बाणासु रभस्मासुरछलबलबिदितत्रिलोकमँभारी । तिलभरि तासुविलगनहिंमान्योदीन्ह्योमुक्तिहँकारी ॥ अधमउ धारणअतरणतारणकहतसुरासुरभारी। बसौबेगिशशि मौलिहृदयहरसहगिरिराजकुमारी १५० ॥ रेखता ॥ ज पौनितनामकैलासी । जोचाहौआपदानासी ॥ उसीने बिश्वपूराहै । जोवेदोंनेबिसूराहै ॥ उसीकायहजहूराहै । चराचरलाखचौरासी ॥ वहीघरबारहैसबका । वहीकर तारहैसबका ॥ वहीआधारहैसबका।जहांलौंदेहअभ्या सी॥ उसीकानामहैबेरा।जगतकेसिंधुमेंतेरा ॥हैखेवनहा

रसबकेरा । यतीगिरहस्थसंन्यासी ॥ वहीत्रैलोकबिस्ता
रन । वहीप्रतिपालककारन ॥ वहीफिरिसबकसंहारन ।
हैंजिसकीयहपुरीकासी ॥ मरैंकरिसबाकिसेवकाई । करै
तूकोटिचतुराई ॥ कहैशशिमौलिसुनुभाई । बिनाशिव
नहिंकटैफांसी १५१ शिवशिवरटतकटतभ्रमजाल । ह
टतशोकश्रमघटतदोषदुखमिटतमोहबिकराल ॥ जगत
महानदभरोबारिमदजन्ममरणद्वउकूल । लेतउबारिदा
सकहँतासोंकरगहाइनिजशूल ॥ पापनिशासमप्रबल
क्रोधतमचितब्रह्मांडनिवास । लखिआरतजनत्रासकर
ततहँज्ञानमयंकप्रकास ॥ अघकृशानुज्योंधूमअबुधत्यों
एकनपरतसुभाय । निजसेवकहितलागिकृपाजलताक
हैंदेतबुझाय ॥ करतरहेनितयुगनयुगनप्रतिदीननको
प्रतिपाल । कोशशिमौलिसांकरेगाढ़ेशिवसमदीनदया
ल १५२ अरेमनकाहेकोफिरतभुलाना । शंकरनामज
पतजीसोंनहिंहैपरपंचलुभाना ॥ कहँजलशयनशुचाअ
रुसंयमकहँतीरथअस्नाना । भवसागरसोंपारनहोइहै
बिनगंगाधरध्याना ॥ कहँचन्द्रायणनेमचन्द्रजपचन्द्रप
र्वकोदाना । चन्द्रमौलिकहँभजतनमूरखजेहिछबिचन्द्र
लजाना ॥ समदरशीसमशीलसमरंजितशमनशोकस
रनाना । कोशशिमौलिशंभुसमसमचितस्वामीसमरथ
आना १५३ मनसुमिरौसदात्रिपुरारी शिरसोहतजाके
इन्दुअमल । डमरूधरफरसापिनाकधरउरधरविषधर
भारी ॥ करधरशूलजटागंगाधरविद्याधरमुनिझारी ।
धरतध्यानवाकोरूपविमल ॥ समदरशीसमशीलसमर

जितशमनसमूहसुरारी। हैंशशिमौलिसकलबिधिसमर
थशंभुउमाशुभकारी॥ सुखदसदाबाकेचरणकमल १५४
शिवछबिछाइरहीचहुंओरन। देखोकरिबिश्वासजितैंति
तकरतसफलसहजैदृगकोरन ॥ मेघनमेंशंकरहीकीद्यु
तिक्षणप्रतिनाचनचावतमोरन । पूर्णप्रभाकरमेंप्रका
शसोइअनिमिषदृगकरिदेतचकोरन॥ शोभासोइरतिप
तिमहँप्रबिशीकरतचराचरबशबरजोरन । तपतिमिरा
रितेजताहीतेहरतचकोरचिंताअतिघोरन॥ रजनीमेंसो
सुभगश्यामताकरतप्रमत्तरसिकरसचोरन । हैंशशिमौ
लिबस्तुजहँलौंजोशंकरकांतिबसीसबछोरन १५५ भ
जुभावसहितगिरिजागिरीश। जेहिपारनपावतअजअ
हीश॥ इतमुक्तामालनकोशृंगार। उतशंभुहृदयभुजगें
द्रहार ॥ इतलसतबिमलबेंदीलिलार । उतराजिरहो
रजनीशशीश॥ इतदिब्यदुकूलनकोप्रकास । उतबाघ
म्बरतनतेजरास ॥ इतबिबिधबधूटिनकोबिलास। उत
शंभुसभासदसुरमुनीश॥ जगजननिजनकअबिचलअ
भेद। जपिजाहिभजतबहुबिषमखेल॥ शशिमौलिसदा
जेहिबदतवेद। सोइशैलसुताईशानईश १५६ मनमानै
एकोनहिंमानी। वेदपुराणप्रबीणनकीसिखसपनेहुंनहिं
उरआनी॥ सुतपितुकुलकुटुम्बपुरजनकीआशकरतअ
ज्ञानी। जाकेहाथजीविकासबकीतेहिनभजतहितजानी॥
लोभमोहछलबलबिग्रहमहँसुधिबुधिरहतलुभानी। जा
सोंहोतहानिइनसबकीताकीभक्तिभुलानी ॥ यहदेहीको
कौनभरोसोज्योंऊसरकोपानी। भरतबिलातथोरहीदिन

मेंताहिश्रमरपहिंचानी ॥ अजहुंचेतकरुहेतहृदयबिच शंकरअवघड़दानी। जबशशिमौलि चौथपनऐहैकरिहै निपटगलानी १५७ शिवपुरबासकरनजोचाहै। तोप्रभा तमानसपूजाबिधिबुधिनिर्मलनिरबाहै॥ बैठारैबाघम्बर ऊपरपदप्रक्षालिलैजावै। अरघबहुरिमधुपर्कआचमनम ज्जनबिमलकरावै॥ बस्त्राभरणगन्धपुष्पाक्षतधूपदीपक रिदेवै। धरिनैवेद्यमध्यजलजलपुनिअँचवाइनहितलेवै॥ पोंछिबदनबीराफलसंयुतधरैदाक्षिणाआगे। करिकरदर्प णअरपैपुनितेहिछत्रव्यजनअनुरागे॥ नीराजनपैकर्माक रिपुनिजपगुरुमंत्रसमरपै। यहिजगमेंशशिमौलिमिलैसु खअन्तसमयशंकरपै १५८ मनकरिहैकबलौंलरिकाई। बीतेबीसबर्षबारहकेतेहुंनचीन्हेसाई ॥ जन्मतहीगेभूलि जठरमहँजेजेपीड़ापाई । कौलकरारकियेजोताक्षणतेस बहीबिसराई ॥ ताहूपरदयालदानीशिवसगरेभूलभुला ई। मातुकुचनपालनपोषणाहितक्षीरछांडअधिकाई॥ क रिदियोतोहिंसकलसंधिनअरुप्रियप्राणनकीनाई। तब हुंतोहिंतापैपूरबकीएकौउरनसमाई ॥ जानअजानक्षमा करशंकरसुधिबुधिहियप्रकटाई। मातुपितापुरजनप्रीतम पुनिसगरीबस्तुचिन्हाई। कबहूंगोदकबहुंपालनपरकी न्ह्योसेजसुहाई ॥ इमिदीन्ह्योबिश्रामतिहूंपरमिटीनतु वकुटिलाई। करिकरुणाकृपालताहूपरतेरीआशपुराई॥ हेरनहँसनउठनअरुबैठनबोलनसुननासिखाई । लगो चलनडोलनधावनतबजोरथ्योबालअथाई ॥ गारीमा रुहासक्रीड़ारसउरपुरमेंसबछाई । करतलाजअपनोसिर

जेकीसिरजनहारसदाई॥ असनबसनबाहनबिद्याबुधिस
कलसिद्धिसौंपाई । यहमतिमंदजुवाचोरीमेंकरतअमि
तचतुराई ॥ सपन्योनामजपतनहिंशिवकोऔरकहौंक
हँताई । अन्नपराशनमूड़नछेदनसबबातैंबनिआई ॥
अबशशिमौलिसुमिरुशिवकोजोयशफैलैसबठाई १५९
जगमेंधृगतेरीनिपुणाई । मिटीनबानिचरणचलतेजोचि
तकीचंचलताई ॥डाढ़ीमोछदियोकरतातोहिंबलबिद्याम
नुसाई । शिवसुमिरणसंग्रामअवनिसोंभागेपीठिदिखा
ई ॥ उद्यमकाजकरतराजनकीनानाबिधिस्यवकाई । गु
रुपितुमातुमहेशउमापदकबहुंनप्रीतिलगाई ॥ भ्राता
पितापुत्रपरिजनहितकरतफिरतठगहाई । जाकेहाथजी
विकासबकीताकीसुधिबिसराई ॥ भरैउदरपोषैकायानि
जकरिबहुकर्मकमाई । रक्षाकरैतासुजोतुवप्रभुतेहिनजप
तलवलाई ॥ बाहनबसनधामधरणीधनसुखसंपतिसमु
दाई । अंतसमयसंगीनहिंएकौआपअकेलेजाई॥तपती
रथजपयोगयज्ञब्रतसंयमनेमदृढ़ाई ॥ जोचहुसोकरिले
यहिअवसरफिरिनाहिंचलीउपाई ॥ दानदयासंतोषक्ष
माछबितेजप्रतापबड़ाई । भजिशिवकोशशिमौलिसुल
भसबयुवाअवस्थापाई १६०हैबिषतेकछुबाढ़िबुढ़ापा।बा
लकुमारयुवाबीतेभलचौथेपनप्रकटीतनतापा॥ रदनबि
हीनबदनबाँबीसमकहतबचनाबिषधरजनुव्यापा । मणि
अनमोलनामशंकरकोतेहिनप्रकाशितराखतझांपा॥ क
फघहरातखंखारतखांसतहेरतसुनिसबकोउरकांपा। आँ
खिनआंशुबहतव्याकुलचित धरतनधीरजकरतबिला

पा॥ खालभुराइगईकेंचुलिसीकालमनोडेरानिजथापा।
श्वासलेतलहरैंजनुआवैंअबकछुभेदरहानहिंढांपा॥ हि
तकीकहतबातजोकोईपरतनसुनिसमुझतकुटिलापा।
तामसकरिकाँपतकटुबादीकाहूनिंदतकाहूशापा॥ इंद्रि
यशिथिलश्वेतशिरकेकचरँगपरोभोअंगढुरापा। उठिन
हिंसकतनबलबैठनकोकरवटलेतबड़ीकठिनापा॥ सूभि
नपरतपुकारतपुनिपुनिप्यासनमरतदुसहदुखदापा। सु
तदारादुर्बचनसुनावतजसकीन्होतसभुगतोपापा॥ खा
टपरेपाछितातदिवसनिशिगिरोआइयमकिंकरछापा। प
रीगाढ़यमजातिकहीनहिंतदपिनमोहमयागयोचापा॥
रहोसमयनहिंयोगयतनकोनहिंतपतीरथसत्यप्रतापा।है
शशिमौलिमतोयाहीअबकरियनिरंतरशंकरजापा १६१
जसतुमकीन्हामोरउबार। तैसोकौनदूसरोस्वामीकरी
पतितउद्धार॥ संचितपापअनेकनताबशभरम्योंयोनि
अपार। चौरासीसोंकाढ़िमनुजतनदीन्ह्योम्वहिंकरि
प्यार॥ सोदीन्हीमिथ्यामैंखोईपरीयमनकीमार। दीन्हो
डारिनरकयोनिनमाफिरितुमलगेगुहारि॥ कर्मक्षेत्राक्षि
तिभरतखण्डमहँग्रहकुलकीन्हबिचार। शुभनक्षत्रशुभ
जननिजठरमहँदीन्हमनुजअवतार॥ जठरअगिनिके
आँचबिकलमहँकीन्ह्योंकौलकरार। लेतरहेनवमास
खबरितुमदिखरायोसंसार॥ जन्मतहीगयोभूलिब्यथा
सबसिरज्योमायाजार। मोहलोभनिद्राआलसरसला
गोबढ़नबिकार॥ डसनमशकपटजीवकेशाक्रमिऔरस
कलदुखद्वार। जानअजानअबलसबहीसोंरहेमोररख

वार॥ रहैजैसप्रारब्धतैसहिलिगोहोनब्यवहार । ज्यों ज्योंबढ़तबुद्धिबलबिक्रमत्योंत्योंहोतलवार॥सुवनसुप्रेम मानिपितुमातानिशिदिनकरतदुलार। अतिहीखेलकूद मैंतत्पररोदनहासबिगार ॥ उतपालतपोषतपहिरावत सबमिलिकरतशृँगार। इतमैंनिपुणजुआचोरीमेंसवसों गारीमार॥बालापनइमिखेलिगवांयोतरुणीतरुणबिहा र। वृद्धबैसकफबातापित्तकेतापरमोहअपार ॥ रहीन शक्तिउठनबैठनकीइन्द्रिनकीन्हजुहार। करियमानसंको चशोचउरलागोखानपछार ॥ नहिंजपयोगयज्ञतपतीर थनहिंकछुनेमअचार।चौथेपनशशिमौलिसबनकोशंक रनामअधार १६२ शिवपदपूरणप्रेमपगैजो । पावैपर मारथमुनिमारगमनदृढ़लगनलगैजो॥ करैवृषासनकी सेवानितनामनेहउमगैजो । भरैभवनभंडारसकलसुख अभिमतभावमँगैजो ॥ भजैभुजगभूषणकोनिशिदि नदूषणठगनठगैजो । सजैनसंगसुविद्याताकरअनुभ वरंगरँगैजो॥ जपतपतीरथएकनसाधैअजपायोगजगै जो। मिलहिंतुरतशशिमौलिउमापतिअघबिचपगनडु गैजो १६३ रेशठसुमिरुशंकरचरन । बर्षिबर्षासरससु खजलजगदुसहसंहरन॥लसतललितप्रकाशपगतल तड़ितशोभाभरन।श्यामतापटपृष्ठकीपुनिनीलबारिदबर न॥ मगनमुनिमनमोरगणकोदेखिदृगअसमरन। कोय लापिकअनुमानसदगतिलगेकीरतिकरन॥ बीजब्रउशु भकर्मसंतनक्षेत्रअन्तःकरन। भयोविवेकअंकुरसदलदु इनेमअरुआचरन॥ शीलसतसंतोषशाखापुष्पप्रेमअ

नुसरन। भक्तिफलरसज्ञानसंयुतलागसोतरुफरन ॥ मुक्तस्वादिकदेखिखगवततक्योसुरद्विजनरन। सकैपहुँचिनरुँकैअधबिचथकैसुधिबुधिपरन ॥ हैसुलभशशिमौलिताकहँकहतसबकुलतरन। द्रवतजापरसुजनरक्षकदेवसरिशिरधरन १६४ भजुरेमनईशलोधौराको। कमलाकारचरणताकेदोउदेचिन्हाद्वचितभौराको ॥ सुतबितकुलकुटुम्बहितघरघरफिरतश्वानजिमिकौराको। तेसबनिजस्वारथकेसाथीअन्तसमैसँगदौराको ॥ अबलौंआंचएकनहिंलागीलेउराखिपतिगौराको। बेगिबचावपापपावकसोंयहितनबोभ्कपतौराको ॥ संसारीसुखअरुज्ञानीसोंबैरख्यालअरुन्योराको। यहिसुखहितशशिमौलिफिरैजनवेषबनायेस्योराको १६५ भजुभैरवभूतपतीको। रहैपापनएकरतीको ॥ उरसोहैमुंडनकोमाला। लसैअंगभुजंगबिशाला ॥ धरिबेषबिकटबिकराला। गहेकरतोमरशकतीको ॥ भुजआठप्रबलबलभारी। कियश्वानअसितअसवारी॥ शशिमौलिसुजनहितकारी। जैसोपतिपारबतीको १६६ ॥

इतिश्रीशशिमौलिकृतशिवबिवाहसमाप्तम् ॥

मुंशीनवलकिशोर (सी,आई,ई) के छापेख़ाने में छपी
दिसम्बर सन् १८८९ ई० ॥

